मत्ती

यीसु केर बंसावली

1 अबराम केर सन्तान, दाऊद केर, सन्तान, यीसु
मसीह केर बंसावली।
2अबराम ते इसहाक पैदा भवा, इसहाक ते याकूब,
अउर यहूदा अउर वहिके भाई पैदा भवा।
3यहूदा ते फिरिस, अउर यहूदा अउर तामार ते
जोरह पैदा भवा; अउर फिरिस ते हिस्रोन भवा, अउर
हिस्रोन ते एराम पैदा भवा; 4अउर एराम ते अम्मीनादाब
भवा; अम्मीनादाब ते नहसोन अउर नहसोन ते
सलमोन केर जनम भवा।
5सलमोन अउर राहब ते बोअज पैदा भवा बोअज
अउर रुत ते ओबेद केर जनम भवा, अउर ओबेद ते
यिसै के जनम भवा।
6अउर यीसु के हिंया दाऊद राजा जनम भवा।
7अउर दाऊद सुलेमान ऊ अस मेहरिया ते पैदा भवा
जउन पहिले उरिय्याह केर ब्याहता रही।
8अउर सुलेमान ते हियां रहूबाम कै जनम भवा,
अउर रहूबाम कै लरिका अबिब्याह भवा, अबिब्याह
ते हियाँ आसा कै जनम भवा, अउर आसा केर
लरिका यहोसाफात पैदा भवा, अउर यहोसाफात के
हियां योराम कै जनम भवा अउर योराम ते उईजयाह
भवा।
9उईजयाह के योताम भवा; योताम ते आहाज पैदा
भवा, अउर आहाज के हियां हिजकिय्याह कै जनम
भवा।
10हिजकिय्याह के हियां मनस्सिह जनमें अउर
मनस्सिह सौं आमोन, आमोन ते योसिय्याह पैदा
भवा।
11अउर बंधुआ होई के बाबुल जाय केर समय
योसिय्याह ते यकुन्याह, अउर उनकेर भाईन केर जनम
भवा।
12बंधुआ होय के जब बाबुल ने जवाइदीन गयै
उइके बाद यकुन्याह ते सालतिएल भवा, अउर
सालतिएल ते जरुब्बाबिल कै जनम भवा।
13अउर जरुब्बाबिल के हियाँ अबीहूद पैदा भवा,
अउर अबीहूद ते इल्याकीम कै जनम भवा अउर
एल्याकीम ते अजोर भवा।
14अजोर ते सदोक भवा, सदोक ते अखीम पैदा
भवा, अउर अखीम ते इलीहूद पैदा भवा।
15अउर इलीहूद ते एलियाजर अउर इलियाजर ते
मत्तान पैदा भवा, मत्तान ते याकूब पैदा भवा।
16याकूब के हियां युसूफ पैदा भवा, जउन मरियम
केर पति भवा रहै उनहीं के लरिका यीसु मसीह जउन
कहलात है, पैदा भवा।
17अबराम ते दाऊद तक के कुल चौदह पीढ़ी
भयी, अउर दाऊद ते बाबुल मा बंधुआ बनाइके
भेजो जाये केर चौदह पीढ़ी, अउर बंधुआ होइके
बाबुल का पहुँचाय जाये तक की बेरिया ते लैकें
मसीह तक चौदह पीढ़ी भई।

यीसु मसीह केर जनम

18यीसु मसीह केर जनम इ तिना ते भवा कि जब
उनकै महतारी मरियम केर सगाई मंगनी युसूफ के
साथ हाइगै तो उनके मिले ते पहिले पवित्तर आतमा
केर ओरिया ते पांव भारी होई गवा अउर मरियम पेट
से होई जात हैं। 19सो जउने उनके मरद युसूफ धरम
करम का मान रहेंय अपन मेहरिया का बदनाम नाहीं
होने करा देवा चाहत रहै। यही कारन अपनी मेहरारु
को छोड़ दैवेक मन बनाइस।
20जब इन बातन का स्वाँचत रहै, तबै उन क्यार
सरग ते भ्याजा दूत अपने मार दयखाई दिहिस अउर
उनते कहिस अरे यूसुफ दाऊद केर लरिका तू अपनि
मेहरिया मरियम क अपनि घरे मा राखै ते मत डेराव,
जउन वहिके गरभ मा है, ऊ पवित्तर आतमा केर ओर
ते हवै। 21ऊ लरिका जनमी; अउर तू उहकै नाम
'यीसु' रखिहौ, वहै ऊ अपनि सबै लोगन के पापन
ते उबारी।
22ई सब कुछु ई कारन भवा जउन बचन परभु के

भबिसवकता ते सुनाइस रहै तब सब सांचि भवा।
[23]कै देखऊ एकु कुँवारी कै पैर भारी होइ अउर एकु
लरिका जनमी अउर वहिके नामु ''इम्मानुएल'' धरा
जाई जेहि कै मतलब ई हवै, परमेसुर हमरे साथ हवै।
[24]याहिते युसूफ नींद ते जागिकें परभु के दूत केर
आग्या के मुताबिक अपनि मेहरिया क अपनि घर लै
आवा। [25]अउर जब तलक लरिका कै जनम नाहीं
भवा तब तलक अपनि मेहरिया के पास नाहि गवा
अउर ऊ लरिका के नाम यीसु रखिस।

ज्योतिसिन केर आइब

2 हेरोदेस राजा केर दिनन म जब यहूदियन के
बैतलहम गांवन म यीसु केर जनम भवा। तौ
पूरब ते कई ज्योतिस के जानकार यरुसलम म आइके
लोगन ते पूछिन लागे। [2]कि यहूदियन राजा जेहिकै
जनम भवा है ऊ कहां हवै? मुला हमका पूरब दिसा
मा ऊकै नखत दिखाई दिहिस है। तउने हम कुल
उनकै परनाम करन कै खातिर आयेन हंय।
[3]ई सुनिकै राजा हेरोदेस अउर सारी परजा बहुतै
घबराय गवा। [4]अउर हुँआ कै सबै ज्योतिस के ओर
महायाजकन कै बोलाई केर जमा किहिस अउर
पूछिस कि मसीह कै जनम केहर होके चाहि? [5]उई
सबै राजा ते कहिन यहूदिया के बैतलहम मा, काहे
ते नबी लोगन ई लिखि दिहिन है।
[6]कि हे बैतलहम, जउन यहूदा के देस मा हैं, तू
कउनो रीति ते यहूदा के अधिकारीन में सब ते छोटौ
नाहीं, काहे ते तोहरे सब मा ते एकु महान अधिपति
निकरी, जउन इसराएल परजा केर रखबारी करी।'
[7]तबै हैरोदेस ने ज्योतीसियन कै चुपके ते बुलायकें
पूछत कि, नखत केतने बजे देखे पड़ा रहे।
[8]अउर उनते ई कहिके सबका बैतलहम भेज
दिहिस कि तुम सब जाईके पैदा भये बालक के बारे
म ठीक–ठीक पता लगाव अउर जब ऊ मिलि जाय,
तौ हमका संदेसु भ्याजौ ताकि हम जाय कै ऊका
परनाम करी।
[9]ऊ सब राजा केर बात सुनिके चले गये, अउर
देखौ जउन नखत उइ पूरब मा देखन रहै, वहै नखत
उनके आगे–आगे चले लाग अउर जहां ऊ बालक
रहै, हुआँ जाई कै वहै जगा रुकि गवा।
[10]ऊ नखत का देखिकै सबै बहुतै खुस भयै।
[11]अउर वहि घर में जाइकै महतारी मरियम के साथ
मा देखिन अउर मुहि के बलि झुकि कै उनका परनाम
किहिन; अउर आपन–आपन झोला खोलि के उनके
सोना, अउर लोहबान अउर महकै वाला सामान
चढ़ाइन। [12]अउर सपना मा ई परभु क आदेसु भवा
कि हेरोदेस के पास अब न जायो, उइ सब दूसरे
रस्तन ते अपने देस क चले गवा।

मिसर देस क जाओ

[13]उनके चल जाइकै बाद म परभु कै एकु दूत
सपने मा यूसुफ का दिखाई दैके कहिस कि उठउ ई
बालक का उइ की महतारी का लइके मिसर देस का
भागि जात, अउर जब तलक हम तुमते न कहूँ, तब
तलक तू वहीं रहियो, काहे ते राजा हैरोदेस ई बच्चा
का ढूंढ़ि हैं, ताकि ओका मारवाय डारै।
[14]वह रात का ही उठि कै महतारी लरिका का
लइके मिसर देस का चला गवा। [15]अउर हेरोदेस के
मरिजाई तक हुवइं रहा, यही कारन ऊ बचन जउन
परभु ते भबिसवकता ते कहवाइन रहै, कि अपने
लरिका का हम मिसर मा बुलायेन रहै पूरा होय गवा।

लरिकन के मारे के आदेस भवा

[16]जब हेरोदस ई देखिन कि ज्योतिस उनके धोखा
दिहिन अउर सब हमरे साथे ठट्ठा किहिन है तबै
उइके बड़ा गुस्सा आवा अउर कुछ लोगन का भेजि
कै ज्योतिसियन ते सही–सही पूछे समय ई देखिन
हिसाब अउर आग्या दिहिस कि बैतलहम अउर
वहिके आसपास के सब बचवन का जऊन दूइ साल
के या औसे छोट रहे मरवाइ डारिस। [17]तब जउन
बचन यरमयाह नबी कहिस रहै ऊ पूरा भवा।
[18]कि रामाह मा एकु दरद भरी आवाज सुनाई परी
''रोई के विलाप, करत रहे। राहेल अपनि बच्चन
खातिर रोवत रही अउर चुप होय नाहीं चाहत रही
काहे ते वै रहे नाहीं।

नासरत केर लउटब

[19]हेरोदेस केर मरै के बादे देखौ, परभु कौ दूत
मिसर मा युसुफ का सपने मा दिखाई देके कहिस
[20]कि वहि बच्चा अउर वहिकी महतारी का लइके
इसराएल देस क जाओ, अउर जउन बालक कै परान
लेना चाहत, रहे उ मरिगये''
[21]वहु उठा, अउर लरिका अउर महतारी को साथ
लइके इसराएल देस मा लै आवा। [22]मगर ई सुनि
के कि अरखिलाउस अपने बापू हेरोदेस केर जगह
यहूदिया कै राजा बना है हुआं जाये ते डेरान अउर
सपना मां चितौनी पाइ के गलील देसु चला गवा।
[23]अउर नासरत नाम केर नगर मां जाय के बसि गवा
ताकि, ऊ बचन पूरा होई जाय, जउन नबी लोगन

कहिन रहै, कि ऊ नासरी कहाई।

यहुन्ना बपतिसमा केर सन्देसु

3 उन दिनन म यहुन्ना बपतिसमा दै वालन आइकै
यहूदिया के जंगल मा ई परचार करै लाग। [2]कि
मन का बदलौ; काहे ते सरग का राज नेरे आवे वाला
है। [3]इव वहै है जेहि कै चरचा यसायाह नबी केर
दवारा लीन गई कि जंगल में केहू के पुकारइ का
आवाज सुनाई परी कि परभु का मारग तैयार करौ,
अउर ओकरि सड़कन क साज करउ।

[4]यहुन्ना ऊँट केर बार का कपड़ा पहिनत रहै अउर
अपन कमर मां चमड़ा कै पटुका बांधे रहै। अउर ऊके
अहार टिड्डियां बन अउर सहद रहै। [5]तब येरूसलेम
अउर सारे यहुदियन कै, अउर यरदन के आस पास
केर सब देसन कै मनइ। [6]उइके पास निकल आये
अउर अपन पापन का मानि के यरदन नदी मा उनते
बपतिसमा लिहिन।

[7]जब उइ तमाम फरीसियन अउर सदूकियन क
अउर यहूदियन का बपतिसमा लैने के खातिर आवत
देखात तौ उनते न कहिन कि हे सांपन कै बच्चउ
तुमको के बताइस कि आवै वाले परकोप ते बचै को
भागे। [8]सो मन फिराब के जोग फल। [9]अउर अपने
मन मा ई न सोचउ, कि हमार बापू अबराम हैं। काहे
ते कि तुहिते बताइत है कि परमेसुर ई पथरन ते
अबराम खातिर सन्तान पैदा करि सकत है। [10]अउर
अब कुल्हाड़ा बिरवान केर जर पे रखा है। ई मारे
जौन बिरवा नीक फल नाहीं देत ऊ काटि कै आग
मा डाल दीन जात हवैं।

[11]हम तौ पानी ते तुम्हार मन बदले खातिर बपतिसमा
देइत हैं। लेकिन हमरे बादि आवे वाला है ऊ हमते
जोरदार है। हम तौ उनकी जूती उठाउन लाइको नाहिन
हम ऊ तुमको पवित्तर आतमा अउर आग ते बपतिसमा
देई। [12]ओके पछोवन ऊकै हाथ मा है। ऊ आपन
खरिहान नीक तना साफ करी अउर अपने गेहूं क
खत्ती मां यकट्ठा करी मुला भूसी ऊ आग मा जलाई
जउन बुझय केर नाहि।

यीसु केर बपतिसमा

[13]ऊ बखत यीसु गलील ते यरदन के तीर पै
यहुन्ना के पास ऊ ते बपतिसमा लेने आवा। [14]मुला
यहुन्ना ई कहिकै ऊका रोके लाग कि हमका तुम्हरेन
हाथ ते बपतिसमा लैक जरुरति है, अउर तुम हमरे
पास आये हौ?

[15]यीसु वहिका उत्तर दिहिन कि अब तौ ऐसनि
होय दियो, काहे ते हमका यहितिना ते सबै धरम का
काम पूरा करब नीक लागत है। तब यहुन्ना उनकी
बात मान लिहिस।

[16]अउर यीसु बपतिसमा लैइकै तुरतै ऊपर आवा
अउर देखिन, कि उनकी बदे आकास खुलि गवा।
अउर वह परमेसुर केर आतमा का कबूतर केर नाईं
उतरत अउर अपने ऊपर आवत देखि। [17]अउर देखौ,
सरग ते इ आकासबानी भइ कि ई हमार पियारा
लरिका है, जेहिते हम बहुतै खुस हन।

यीसु केर परिच्छा

4 उई बखत पवित्तर आतमा यीसु का जंगल मा
लै गवा जैसे सैतान ते उकी परिच्छा होवे। [2]ऊ
चालीस दिन निराहार रहै, आखिर मा ऊकै भूँख
लागि। [3]तब परखवइया वहिके पास आइकै ओते
कहिस अगर तुम परमेसुर केर लरिका हौ तौ कहिहौ
कि ई पथरन रोटी बन जाय।

[4]ऊ उत्तर दिहिस कि लिखा है कि मनइन रोटीन
ते नाहीं, वरन परमेसुर के मुंह ते निकलत है ऊ अमर
रही।

[5]तब सैतान ऊ का पवित्तर नगरु मा लै गवा अउर
मन्दिर के कगरे पर खड़ा किहिस। [6]अउर वइते कहिस
कि जउन परमेसुर के लरिका हौ त खुदई का नीचे
गिराय देव काहे ते लिखा है कि ऊ तोहरे बारे मा
अपने सरग दूत क हुकुम देई अउर उठा लेई कहूं
ऐइस न होई कि तुम्हरे पांव मां पत्थर ते ठोकर लागे।

[7]तब यीसु औसे कहिन कि यहू लिखा हवे कि
तुम अपन परभु अपने परमेसुर केर परिच्छा न करौ।

[8]फिर सैतान फिर वहिका बहुत ऊँचे पहारु पर लै
गवा अउर कुल संसारे केर राज अउर ऊ का वभव
दिखाइस। [9]उहि ते कहा कि जउन तुम गिरि के हमका
परनाम करौ तौ ई कुल तुमका दै देबे।

[10]तब यीसु उनते कहिन कि अरे सैतान तू दूर होइ
जा काहे ते लिखा है, तू परभु अपने परमेसुर को
परनाम करके वहिकी उपासना करौ।

[11]तब सैतान ऊके पास ते चला गवा अउर सरग
के दूत आइकै उह कै सेवा करै लागि।

यीसु दुआरु परचारु

[12]जब ई सुनिस कि यहुन्ना पकड़ लिया गवा गवा
तौ ऊ गलील क चला गवा। [13]अउर नासरत का
छोड़ के कफर नहूम मा झील केर किनारे जबूलुम
अउर नपताली केर देस मा जाइके रहे लागे। [14]यहिते
जउन यसायाह नबी कहिन है ऊ पूरा होय।

15कि जबूलून अउर नपताली के देस, झील के
रस्ता ते यरदन के पार अन्य जातीन केर गलील।
16जउन लोग अंधकार म बैठे रहे उनही बड़ा उजेर
देखिन, अउर जउन मौत के देस अउर छाया मा बैठे
रहै, उन पै जोति चमका।
17उई बखत ते यीसु परचारु करै काहे कि इ कहै
लागे कि मन बदलौ अउर सरग केर राज पास आवा
है। इन सबके यीसु सबते पहिले बुलाइन जऊन
उनके चेलवा भये।''

पहिले चेलन का बुलाया जाना

18अउर ऊ गलील केर झील के किनारे फिरत भवा
दूई भाई अरथात् समौन को जउन पतरस कहवत है,
अउर उनके भाई अन्द्रिययास का झील मा जालु
डारत देखिन; काहे ऊ मछुआरन रहे। 19अउर उनते
कहिस, हमरे पाछे आव, तौ हम तुमका मनइन को
पकरै वाला बनाइबै। 20ऊ तुरन्त जालन कै ओकरे
पाछे हुई लीन।
21अउर हुवां ते आगे बढ़िकें अउर दुई भाई अरथात्
जबदी केर लरिका याकूब अउर उनकेरे लरिका यहुन्ना
अपने बापू जबदी के साथे नइया पर अपने जाल का
सुधरत भये देखा अउर उनहका यीसु बुलाइन। 22ऊ
तुरन्तै नाव अउर अपुने बापू कै छोड़िकै उनके पाछे
हुई लिहिन।

यीसु दुआरा रोगी केर चंगा करब

23अउर यीसु सारे गलील मा फिरत भवा, उनकी
सभन म उपदेसु करत अउर नगर म सुसमाचार
परचार करत रहा, अउर लोगन केर हर तिना केर
बीमारी अउर कमजोरी दूर करत रहै। 24अउर सारे
सूरिया म उनके जस फैलि गवा; अउर लोग सब
मरीजन का जउन तरह–तरह दुखन की बीमारी अउर
दुख मा पड़े रहे अउर जिनमा दुस्ट आतमा रही अउर
मिरगी वाले अउर लकवा के मारे हुओं का उनके
पास लाये अउर ऊनका ठीक किहिन। 25अउर
गलील अउर दिका पुलिस अउर यरुसलेम अउर
यहूदिया ते अउर यरदन के तीर ते भीड़ केर भीड़
उनके पीछे–पीछे चलै लाग।

पहारु उपदेसु

5ई भीड़ के देखि कै, पहारु पै चढ़ि गवा; अउर
बैठि गवा, तौ उनके सब चेला उनके नेरे आये।
2उई अपन मुहं खोलि के उनका ई उपदेसु देय लाग।
3धन्य हैं उई जउन मन केर दीन हवैं, काहे ते सरग
का राज उनहिन क हवै।
4धन्य हैं उइ जउन सोक करति हैं, काहे ते कि उइ
सान्ती पइहैं।
5धन्य हैं उइ, जउन नरम स्वभाव केर हैं, काहे उई
धरती पै रहै का अधिकार राखत हैं।
6धन्य हैं उइ, जउन धरमु के विचार से हवै अउर
उनकै पियास बुझाई जाई।
7धन्य हैं बे, जउन दया करत हैं, काहे ते उनके
ऊपरौ दया कीन जाई।
8धन्य हैं उइ जिनकै मन साफ हैं उइ जउन मेल
करवावत हैं काहे ते परमेसुर केर दरसन करिहैं।
9धन्य हैं उइ, जउन मेल करवावत हैं, काहे ते
परमेसुर केर लरिका कहलइहैं।
10धन्य हैं उइ, जउन धार्मिकता के खातिर सताये
जात हैं, काहे ते सरग मा उनहिन के राज होई।
11धन्य हौ तुम जउन हमरे कारन मनइन तुमार
बुराई करैं अउर सताये अउर झूठ बोलि–बोलि के
तुम्हरे खिलाफ सब तिना ते बुरी बात करैं। 12बहुत
खुस होईकै मगन होय, तुमरे खातिर सरग मा बड़ा
फलु है। यही कारन उइ उन नबी लोगन क जउन
तुमते पहिले रहैं यही तिना सतावत रहैं।

लोनू अउर जोति केर मिसाल

13तुम धरती कै लोनू हौ, मुला जदि नमक का
सवाद बिगरि जाय, तौ कउन चीज ते नमकीन कीन
जाई फिर ऊ कउनउ काम का नहीं, खाली ई के कि
बाहर फेंकि दीन जाय, अउर मनइन के पैरन तले रौंदा
जाय।
14तुम जगत केर जोति हौ। जउन नगर पहारु पै
बसा भवा है, ऊ छिप नाहीं सकत। 15लोग दिपक
जलाय कै पैमाने केर नीचे नाहीं मुला देवाल के उपर
राखत हैं तब जाइके सारे घर मा उजियार होत है।
16वही तिना तोहार उजियार सबै के सामने चमकै कि
तुम्हरे भले कामन का देखिकै कइहन तुम्हरे बापू
जउन सरग मां है, बड़ाई करैं।

पुरान अउर नवा नियमु

17ई न जानौ, कि हम सबै काम नबी लोगन का
अउर किताबन का खतम करै आयेन हैं। 18खतम करै
नहीं, मुला पूरा करै आयेन हैं, काहे ते हम तुम सब
ते सांच कहित हैं। 19यही कारन जो कोई इन छोटी
ते छोटी आग्या में ते काऊ एकु का तोड़े, अउर वैइसै
लोगन का सिखावै, ऊ सरग के राज या सब ते छोट
कहवाई; मुला जो कोऊ उनका मानी अउर उनका

सिखाई ऊ सरग के राज मां महान कहवाई। [20]काहे ते हम तुमते कहित है कि यदि तुम्हार धार्मिकता सास्त्रियन अउर फरीसियन केर धार्मिकता ते बढ़िकें न होय, तौ तुम सरग के राज म कबऊ परवेस नाहीं कर पइहव।

हतिया

[21]तुम सुनि चुके हवै, कि पहिले केर मनइन ते कहा गवा रहै कि हतिया ना करिहौ, अउर जउन कउनो हतिया करी ऊ कचहरी मा सजा पाई। [22]मुला हम तुमते ई कहित है कि जउन कऊनो अपन भाइयन पै गुस्सा करी, ऊ कचहरी मा सजा पाई अउर जउन कोउ अपने भाई केर निकम्मा कहिन ऊ महासभा म सजा पावै लायक होई, अउर जउन कोई कहै, ''अरे मूरख'' ऊ नरक केर आगि मा सजा पाई।

[23]यही बदे तू आपन भेंट बेदी पै लावो अउर हुवां तुम ये याद करौ, कि हमरे भाई के मन या हमरी ओर ते कुछु खिलाफत हई, तौ आपनि भ्यांट वही बेदी के सामने छाड़ि देऊ। [24]अउर जाई कै पहिले अपन भाई ते मेल जोल करौ तब आइकें अपन भेंट चढ़ाओ।

[25]जब तक तुम अपने मुद्दई के साथे रस्ता मां तुरतै मेल जोलु कई लेव, कहूं अइसह न होय कि मुद्दई तुमका हाकिम का सौंउप दे अउर हाकिम तुमका सिपाही का सौंउप दे अउर तू कैद खाने मा डारि दीन जाव। [26]हम तुमते सांची कहित हन, जब तक तुम कौड़ी—कौड़ी न भरि देहौ तब तलक हुवाँ ते छूटै न पाइहौ।

व्यभिचारु केर बारे मां

[27]तुम सुनि चुके हौ कि कहा गा रहै कि व्यभिचारु न किहयौ। [28]मगर हम तुमते यहु कहित है, कि जउन कउनउ मेहरिया पै बुरी नजर डारि ऊ मन मा वहिते व्यभिचारु कर चुका है। [29]अगर तुम्हार दहिनी आँखि तुमहिन का ठोकर देय, तौ तू वहिका निकारि के फेंकि देउ काहे तुम्हरे खातिर यहै भला है कि अंगनु ते एकु नासि होई जाई, अउर तुम्हरि सारी सरीर नरकु म न डारि जाय। [30]अउर यदि तुम्हार दाहिना हाथु तुमहिन क ठोकर देइ तौ उहिका अपने पास ते काटि के फेकि देउ, काहे ते तुम्हरी लिए यहै भला है कि तुम्हरे अंगन मा ते एकु का नासि होई जाई अउर तुम्हारि सारी द्याँह नरक मा न डारी जाय।

तलाकु

[31]यहै कहा गवा रहै कि जउन कोऊ अपने मेहरारू क तियाग देई, तौ उहिका तलाक देयक परी। [32]मुला हम तुमते जउन कहित है कि अपन मेहरारु का बुरे काम के सिवाय काउने अउर कारन ते छोड़े दे, तौ उहिते व्यभिचारु करवावत है, अउर जउन कोऊ वहि तलाक वालि ते बियाहु करि, वहै व्यभिचारु करवावत है।

सपथ

[33]फिर तुम सुनि चुकै हौ, कै पहिले समय के लोगन ते यह कहा गवा रहै कि झूठी कसम न खायेव, मुला परमेसुर खातिर आपन कसम पूरी करेउ। [34]मुला हम तुमते ई कहित है कि, कबहूं सरग केर कसम न खायेव काहे ते वहु परमेसुर क सिंहासन हवै। [35]न धरती केर, काहे ते वहु उनके पावंन केर चौकी आय, न येरुसलेम केर, काहे ते वहु महाराजा केर नगरु आय। [36]अपनि सिर केर कसम न खायेव काहे ते तुम एकु बारु क न तौ सफेद करि सकै न तौ करिया कर सकतु हौ। [37]मुला तुम्हारि बाति हांकै केर हां, या नाहीं केर नाहीं होय; काहे ते जउन कुछु होयगौ ऊ बुराई ते होई।

बदला केर बारे मां

[38]तुम सुनि चुकेउ है यहु कहा गवा रहा कि आँखि के बदले आँखि, अउर दाँत कै बदले दाँत। [39]मुला हम तुमते ई कहित हैं कि बुराई केर सामना न करिहौ, मुला जउन कोऊ तुम्हरे दहिने गाल पै थप्पर मारै वहिकै ओरि दूसरौ गाल फेरि देउ। [40]अउर अगर तुम्हरे ऊपर कउनउ नालिस लेन चाहे तौ वहिका दोहरौ लै लेन देउ। [41]अउर जउन कोऊ तुमका कोस भर बेगार लै जाय, उके साथ दुई कोस जाउ। [42]जउन कोऊ तुमते उधारु माँगै, वहिते मुंह न म्वारौ।

बैरी सइहन पिरेम

[43]तुम सुनि चुकेउ रहो कि परोसी सइहन पिरेम करौ अउर अपुने बैरी ते बैर। [44]मुला हम तुमते ई कहित हैं कि अपने बैरिन ते पिरेम करौ अउर जो तुमका सतावै उके खातिर पराथना करौ। [45]जहिते तुम अपने बापू जउन सरग मा हैं केर सन्तान ठहरियो, काहे ते वहु भलेन अउर बुरेन दुनौ पै अपन सूरज उदय करत है, अउर धरमिन अउर अधरमिन पर अपन पनिया बरसावत हैं। [46]काहे ते अगर तुम अपन पिरेम राखै वाले तेही पिरेम राखौ, तौ तुम्हरे खातिर कउन फल होइ? का चुंगी लै वाले ऐसि नहीं करत हैं? [47]अउर अगर तुम खाली अपने भइय्यन का नमसकार

करत हौ, तौ कउन सौ बड़ा काम करतु है का दूसर ऊ धरम वाले ऐसि नहीं करत हैं। 48यही खातिर यहु सिद्ध बने कि जइसन सरग मां तोहार बापू सिद्ध हवैं।

गुपतदान

6 सावधान रहौ! तुम मनइन का देखावे की खातिर अपने धरम के काम न करौ। नाहीं तौ सरग मा रहै वाले बापू ते कउनौ फलु ना पाइहौ।

2यहिते, जब तुम दान करौ, तो अपने आगे तुरई न बजावा, जइस कपटी लोग सभान में अउर गलीन मा करत हैं, जेहिते उइ लोग बड़ाई करैं, हम तुमते सही कहित हैं। कि ऊ आपन फल पाय चुकै। 3मुला तुम जब दान करेव तो जउन तुम्हार दहिना हाथु करत है, वहिका तुम्हार बावां हाथु न जानि पावै। 4जेहिते अउर जउन तुम्हार बापू गुपतौ मा दयाखत हैं। तुमका फलु देई।

पराथना

5अउर जब तुम पराथना करौ, तो कपटिन कै समान ना हो, काहे ते लोगन कूं दिखाइबे खातिर सभान मां अउर सड़कन के म्याड़न पै खड़े होइकै, पराथना करत उनहुन क अच्छा लागत है, हम तुम ते सांची कहित हैं उइ आपनु फलु पाई चुके। 6मुला जब तूं पराथना करौ, तो अपनी कोठरिन जाइकैं, अउर दरवाजा बन्द करिकें अपन बापू ते जउन गुपत मा हैं, पराथना करौ अउर तुम्हार बापू जउन गुपतौ मा द्याखत हैं वहु तुमका फलु देई। 7पराथना करत समय, दूसरे धरम क माने वालेन की तरह बक–बक न करौ, काहे ते उइ समझत हैं कि उनके बोले ते उनकी सुनी जाई 8सो तुम उनकी नाईं न बनौ, काहे ते तुम्हरे बापू तुम्हरे मांगे ते पहिले जानित है कि तुम्हरिउ कौनि–कौनि जरुरत हैं।

9ऊ तुम इस रीति ते पराथना कीन करौ कि,

''हे हमारे बापू, तू सरग मा है, तोहार नाम पवित्तर माना जाई।

10तोहार राज आवै। तेरी इच्छा जैसेई सरग मा पूरी होत है, वैइसेन धरतिउ पर भी पूरी होय।

11हमका दिन भर केर रोटी आजु कै तुमहू हमका देउ।

12अउर जइसे हम अपने अपराधिन का माफ किहिन है, वइसेन तुम हमरे अपराधन का माफु करउ।

13अउर हमका परिच्छा मा न लावौ, मुला बुराई सइहन ते बचावउ। काहेते राज, पराकरम अउर महिमा कुल तुम्हरेन है। आमीन।

14जेहि खातिर अगर मनइन कै अपराध माफु करिहौ तौ तुमहुक सरग मां रहै वाला बापू माफु करी। 15अउर अगर तुम मनइ कै अपराध माफु न करिहौ तौ तुम्हारु बापू भी तुम्हार अपराधन का माफु न करी।

उपबासु – वरत केर नियम

16जब तुम उपबास करौ, तौ कपटिन केर नाईं तुम्हरे मुंह पर उदासी न छाई रहै। काहे ते उई आपन मुंह बनाये राखत हैं। जेहिते लोग उनको उपवासी जानैं। हम तुमते सांची कहत है कि उई अपना फलु पाय चुके। 17मुला जब तू उपवास करै तौ अपने सिर पै तेलु मलउ अउर मुँह ध्वावौ। 18जेहिते मनइन नाहीं जानिहे मुला तोहार बापू जउन गुपत मा हवै ऊ तुमका उपवासी जानैंई, हालत मां तुम्हार बापू जउन गुप्तई हैं सब देखत हैं तुमकौ फलु देई।

सरग मां धन संचय

19अपनेइ बदे धरती पै धन यकट्ठा न करौ; जहां कीड़ा अउर काई उहिका बिगारत हैं, अउरु जहां चोरु सेंधि लगावत अउर चुरावत हैं। 20अउर अपनी खातिर सरग मा धन बटोरेब, जहवाँ न तो कीड़ा है अउर न कउनो बिगारी अउर न चोर सेंध लगइहैं; न कउनो चुरावत है। 21काहे ते जेहाँ तुम्हार धन है, ओहरे तुम्हार मनऊ लाग रही।

22देह केर दीया आँखि है जौ तुम्हार आँखि निरमल है तौ तुम्हार सारी द्याहौ उजियार रही। 23अउर तुम्हरे आँख बुरी है तो सबै दयांह अंधियारु होइ। यही कारन जउन उजियार तुम मां है अगर अंधियारु होई तौ ऊ अंधियार कतिक बड़ा होई।

24कउनउ मनइ दुई स्वामिन केर सेवा नाहीं कर सकत, काहे ते एक ते बेरु अउर दूसरे ते पिरेमु राखी, अउर एकु ते मिला रहि है, अउर दूसरे तुच्छ जानी। ''तुम परमेसुर अउर धन दोनव केर सेवा नाहीं कर सकत हौ।''

चिन्ता मत करौ।

25यहि ते हम तुमते कहित है कि अपनी जान की खातिर ई सोंचु चिन्ता जनि करेउ कि हम का खाइवै अउर का पीवैं? अउर न अपने सरीर खातिर कि हम का पहिनवै? का परानु भोजन ते, अउर सरीर कपड़न ते बढ़कइ नहिन है? 26आकास के पंछिन के द्याखौ, वो न ब्वावत हैं अउर न काटत हैं अउर न खेत्तन मां बटोरत हैं। तबौ तुम्हार सरग मा रहै वाले बापू उनका खियावत हैं का तुम उनते ज्यादा कीमत नाहीं रखतु

हैं। [27]तुममा कउन है जउन चिन्ता करिकै आपन उमरि मं एक घरी बढ़ाय सकत है?

[28]अउर कपड़न खातिर काहे सोचु करतु है? जंगली सोसनन पै सोचउ कि उइ कइसे बढ़त हैं, उइ न तौ मेहनत करत हैं, न काटत हैं। [29]तबहूँ हम तुम ते कहत हैं कि सुलेमान भी अपने सगरे विभव में उनमां ते कउनउ के समान कपड़ा पहिनेन नाहीं रहा। [30]यही कारन जब परमेसुर मैदान केर घास का, जउन आज है, अउर कल भारु मा झोंकि जाई ऐसन कपड़ा पहिरावत है, तो हे कम विस्सवासिन तुमका काहे न पैहिरइहैं? [31]यही कारन तुम चिन्ता कइके ई न कहेउ कि हम का खइवै का पीवे, अउर का पहिनवै? [32]काहे ते दूसर धरम माने वाले इन सब सामानन केर खोज मां रहत हैं, अउर तुम्हरे सरग मा रहै वाला बापू जा बात क जानें है, कि ई सबै सामान तुमकूं चाहि। [33]एहि कारन पहिले तुम उनके राज अउर धरमु केर खोज करौ तौ तुमहिन का ई सबै सामान मिली जइहैं। [34]तौ काल्हि की खातिर चिन्ता न करौ, काहे ते काल्हि क्यार दिनु आपन चिन्ता खुदै करि लेई; आजु केर खातिर आजुई का दुखु बहुत है।

दोसु लगाए के बारे मां

7 दोसु न लगाउ, जेहिते तुमहूं पै दोसु न लगावा जाई। [2]काहे ते जउनी तिना तुम दुसरेन पै दोस लगावत हौ, वही तिना तुम्हरेन पै दोसु लगावा जाई; अउर जउने नापु ते तुम नापति हौ, उहिते तुम्हरेन खातिर नापा जाई।

[3]तुम काहेक अपन भाई केर आँखु कै तिनका देखत हौ, अउर अपन आँखि क लट्ठा तुमका नाहीं देखाई देत? [4]जब तुम्हरिन आँखिन मां लट्ठा है, तौ अपने भाई ते कैसे कहि सकत हौ कि लाउ तुम्हरी आँखि ते तिनका निकार देई। [5]अरे कपटी, पहिले अपन आँखि ते लट्ठा निकालि लेई, अपने भाई केर आँखि क तिनका अच्छी तिना देखि कै निकारि पइहौ।

[6]पवित्तर सामान क कुकूर क न देउ, अउर अपने मोती सूअरनि के आगे न डारौ। ऐस न होय कि उई उनकौ पावन तरे रौदें अउर पलटि कै तुम्हकौ काटि डारै।

मांगना, खोजना अउर खटखटाना

[7]माँगेउ, तौ तुमहुक दीन जाई ढूढ़ौं, तौ तुम पइहौ, खटखटान, तौ तुम्हरे खातिर खोला जाई। [8]काहे ते जो कोई मांगत है, उहिका मिलति है। अउर जउन ढूढ़ति है, तउन पाबति है, अउर जउनु खटखटावत है उहिके खातिर खोला जाई।

[9]तुममें ते ऐसि कउन मनइ है, कि अगर उहिका लरिका उहिते रोटी मांगै तौ वहु उहिका पाथर देई? [10]अउर मछरी मांगै तो वहु उहिका साँप देई? [11]यहिते जबै तुम बुरै होइके, अपनि संतानौ का नीक सामानन देन जानत है तौ तुम्हार सरग मा रहै वाला बापू अपनि माँगै वालेन कय नीक सामानै काहे न देई? [12]इहि कारन जउन तुम चाहत हौ कि मनइ तुम्हरेउ साथ करै, तुमहूं वहिके साथ वइसने करौ, काहे ते बिवस्था अउर नबी लोगन केर सिच्छा यहै है।

साकर अउर चाकल रस्तवा

[13]सकरे फाटक ते घुसौ काहे ते वहु चौड़ा है, ऊ फाटक, अउर चाकल है। ऊ रस्ता जउन विनास कइहन पंहुचावत है। अउर बहुतेरे हैं जउन वहिते परिवेस करत हैं। [14]काहे ते मारग अउर सकरा है, ऊ फाटक, अउर सकरा है ऊ मारग जउन जिन्दगी का पहुंचावत है अउर बहुत कम है जउन उहिका पावत है।

विरवा अउर वहिके फल

[15]झूठे ते बचेई रहै। जउन भेड़न के भेस मा तुम्हरेउ पास आवत है। मुला भीतर ते फारिबेबारे भेड़िया हैं। [16]उन्हन के लोग फलन ते तुमहूं उनका पहिचान लै हौं, का झाड़िन ते अंगूर, अउर ऊँट कटारन ते अंजीर तोरित हैं? [17]यहि तिना हर एकु निक बिरवा निक फलु लावत हैं अउर बुरौ बिरवा बुरा फलु लावत हैं। [18]अच्छा पेड़ु बुरा फलु नाहि लाई सकत हइ, अउर न बुरा बिरवा अच्छा फल लाइ सकत हइ। [19]जउन बिरवु अच्छा फल नाहीं लावत है, ऊ काटि कै आग मा डारा जात है। [20]यहिते तुइ उन्हकेर फलन ते उनहुक पहिचानि लेहौ।

[21]जउन हमते हे परभु, हे परभु, कहत है, उनहिन मा ते हर एकु सरग क राज म परिवेस नाहिं करिहैं, मुला उहै जउन हमार सरग मा रहै वाले बापू केर इच्छा पै चलत है। [22]उइ दिन बहुतै लोग हमते कहि हैं कि परभु,हे परभु, का हम तुम्हरे नाम ते भबिसयवानी नाहीं कीन, अउर का तुम्हरे नाम ते बुरी आतमन् क नाहीं निकारेन अउर तुम्हरे नाव ते बड़े बड़े अचरज भरे काम नाहीं कियेन? [23]तबै हम उनते खुलि कै कहि देव कि हम तुम्ह का कबहू नाहीं जाना, हे कुकरम करै वाले, हमरे तीर ते चले जाव।

बुद्धिमान अउर मूरख केर मिसाल

[24]यहिते जउन कोउ हमरि ई बातन क सुनिकै उनका मानत है, ऊ बुद्धिमान मनइ केर नाईं ठहरी जउन आपन घर चट्टान पै बनाइसि। [25]अउर पानी बरसा, अउर बाढ़ि आवा अउर आँधी चली, अउर उई घर पै टक्करैं लागी, मुला ऊ नाहीं गिरा काहे ते उहिकी नींव चट्टान पै डारी गई रहै। [26]मुला जउन कोऊ हमारु ई बात क सुनत है अउर ऊ पै नाहीं चलत है ऊ उई निर्बुद्धि मनइ केर नाईं ठैहरी जो आपन घरु रेत पै बनाइस। [27]अउर पानी बरसा, अउर बाढ़ि आई, अउर अनेक आँधिन चली, अउर उई घरु ते टक्करैं लागी अउर ऊ गिरिकै नाँस होय गवा।

[28]जबै यीसु ई बातन क कहि चुके तब ऐसन भवा कि भीड़ वहिके परवचन ते चकित हुई। [29]काहे ते उइ उन सास्त्रीन के समान नाहीं मुला अधिकारी केर नाँई उनहुक उपदेसु देत रहै।

एकु कोढ़िन कइहन चंगा करव

8 जब ऊ उई पहारु ते उतरा, तौ एकु भीड़ वहिके पाछे चली। [2]अउर देखौ, कोढ़िन पास आइके उहिका परनाम किहिस अउर कहिस कि हे परभु! यदि तू चाहै, तौ मोहि ठीक करि सकत हौ।

[3]यीसु हाथ बढ़ाई कै उहिका छूइसि अउर कहिस, हम चाहित हैं तुइ ठीक होई जाव अउर ऊ तुरन्तै कोढ़ ते ठीक होइ गवा। [4]यीसु उहिते कहिन देखउ, ई बात कोऊ ते न कहेउ, अउर जायके अपने आपकूं याजक कइ दिखाई कै अउर जउन चढ़ावा मूसा ठहराइन है, तउन उहिका चढ़ाउ, जेहिते उनहुन के बरे गवाही होय।

अधिकारी केर बिसवासु

[5]जबइ ऊ कफरनहूम मा आवा तउ एकु सूबेदारु आइके वहिते बिनती किहिस। [6]कि हे परभु! हमार सेवक घरका झोले क (लकवा) के मार ते बहुते दुखी परा है।

[7]ऊ उइते कहिसि हम आइके उहिका चंगा करिबे।

[8]सूबेदारु उत्तर दिहिस कि हे परभु, हम ई लायक नाहिन कि तुई हमरी छत केर नीचे आवउ, खाली मुंह ते कह देऊ तउ हमारु सेवकु चंगा होई जाई। [9]काहे ते हमहू दूसरे के पराधीन मनइ हूं, अउर सिपाही हमरे हाथ मा है। अउर जब एकु ते कहिस है जाउ, तौ जात है; अउर दूसरे ते आउ कहित है तउ ऊ आवत है।

[10]ई सुनि कै यीसु के अचम्भा किहिस अउर जउन वहिके पीछै पीछै आवत रहै, उनहुन ते कहिन; हम तुमते साँचि कहित है कि हम इसराएल मा हन ऐसु बिसवासु नाहीं पायेन। [11]हम तुम ते इहउ कहित है कि बहुतेरे लोग पूरब अउर पच्छिम ते आइके अबराम अउर इसहाक अउर याकूब के साथ सरग के राज में बैइठि हैं। [12]मुला राज केर सन्ताने अंधियारे मा डारि दीन जइहैं; उहां रोउब अउर बाहर ई दांतु पीसबु होई।

[13]तबै यीसु सूबेदारु ते कहिन, जाव जइस तोहार बिसवासु है, वैसेई तुम्हरै खातिर होइ। सेवकु उहि घरी चंगा होइगा।

यीसु बहुतन केर चंगा करिन

[14]अउर यीसु पतरस के घर मा आइके उहिकी सासु कय बुखार मा परी देखिसि। [15]उइ उहिका हाथ छुइन अउर उहिका बुखार उतरि गवा; अउर ऊ उठि कै उहिकी सेवा करई लागी। जब इ साँझि भई तब उइ उहिके नेरे बहुतै लोगन क लै आये, जिनमा दुस्ट आतमाएँ रही,

[16]अउर ऊ उइ दुस्ट आतमनन क अपन बचन ते निकारि दिहिन, अउर सबै बीमारन क चंगउ करि दिहिन। [17]ताकि जउन बचनु यसायाह भबिसवकता ते कहिन रहै ऊ पूरा होय, ऊ खुदै हमरी दुरबलतन क लै लिहिस अउर हमरी सबै बिमारिन का उठाय लिहिस।

यीसु केर चेलवा बने केर किमत

[18]यीसु अपने चारेउ ओर एकु बड़ी भीर देखि कै उई पार जाय खातिर आग्या दिहिन। [19]अउर एकु सास्त्री नेरे आइकै ऊ ते कहिस, हे गुरू, जहां कहूं तुम जइहौ, हम तुम्हरे पाछे पाछे होइ लेबैं।

[20]यीसु उइते कहिन, लोमड़ीन के मट्ट अउर आकास केर पच्छिन कै बसेरे होत हैं; मुला मनइन की संन्तान केर खातिर सिर धरै केर जगह नाही है।

[21]उइका एकु अउर चेला उहिते कहिस, हे परभु! हमका जाय देव जेहिते पहिलेइ अपने बापू का गाड़ि देई।

[22]यीसु उइते कहिसि तुइ हमरे पीछे होई लेहू; अउर मुरदन क आपन आपन मुरदा गाड़े देव।

यीसु तुफान केर सान्त करिन

[23]जब ऊ नाव पै चढ़िस, तौ वहिके चेला वहिके पाछे होई लिहिन। [24]अउर देखउ, झीलै मां एकु ऐस बड़ो इ तूफान उठा कि नाव लहरन ते छिपै लागि, अउर वहु सोवत रहा। [25]तब वै नेरे आइके ऊका

जगाइन, अउर कहिन हे परभु हमका बचाव, हम नासु हुई जाइत हैं।

[26]ऊ उइते कहिस, हे अल्प विसवासी करै वालेउ काहे ते डेरात हौ? तबै ऊ उठि कै आँधी अउर पानी क डाँटिन अउर सब सान्त होइगा।

[27]अउर लोग अचरज करिकै कहै लागि कि इ उ मनइ है। आँधी—पानी ऊकै कहा मानत है।

दुस्टआतमा ते भरे दुई मनइन केर चंगा किहिन

[28]जब ऊ उई पार गदरेनियन केर देस मा पहुंचा तौ दुई मनइ जिनमा दुस्टआतमा रही कबरन ते निकरत भये ऊका मिले, जउन एतने उदंड रहै कि कउनौ उई मारग ते जाई नाहीं सकत हौ। [29]अउर वै चिल्लाय के कहिन, हे परमेसुर केर लरिका, हमार तुम्हते का काम? का तुइ समय ते पहिले हमहिन क दुख देई इहां आये हौ?

[30]उनते कुछौ दूर पै बहुतन सुअरन केर एकु झुंड चरत रहै। [31]दुस्टआतमान ने उइते ई कहि कै बिनती किहिन कि अगर तुई हमहुक निकारत हौ, तौ सुअरन के झुंड मा भेजि देव।

[32]उइ उनते कहिसि जाव, उइ निकरि कै सुअरन मां पैठि गये, अउर देखौ सबही झुंड कड़ाके पै ते झट कै पानी मां जादू गिरा, अउर डूब मरा। [33]अउर चरवाहे भागे अउर नगरु मां जाइकै उइ ई सब बातन अउर जेहिमा दुस्टआत्मा रही उन्ह कौ सबै हालु सुनाइन। [34]अउर देखउ सबै नगरु के लोगन यीसु ते भेंट कइके निकसि आये अउर देखि कै बिनती कीन कि हमरे सिवानौ ते बाहर निकसि जाव

एकु लकवा केर रोगी कइहन चंगा

9 फिर ऊ नाव पर चढ़ि के पार गवा अउर अपन नगरु मा आवा। [2]अउर देखौ कइयों लोग एकु झोले केर मारे मनइ के खाट पै राखि कै उहिके नेरे लाये। यीसु उइकै विसवासु देखि कै ऊ झोले केर मारे हुएन ते कहिन हे बिटवा ढाढ़स बांधौ तुम्हार पाप माफु होइ गये।

[3]अउर देखौ, कइयों सास्त्रियन सोचिन कि इउ तौ परमेसुर केर निन्दा करत है।

[4]यीसु उइकै मनवा की बातन मालुम कै कहिन तुइ लोगन अपने मन मा बुरौ विचार काहे करते हौ। [5]सहजइ का है, ई कहब कि तुम्हार पाप माफु भवा, या ई कहव कि उठौ अउर चलौ फिरउ। [6]मुला ई या लये है कै तुम जान जाऔ कि मनइ के लरिका क धरती पै पाप माफु करिबे कौ अधिकार है उइ लकवा के मारे भवा मनइ ते कहिन ''कै उठौ अउर अपनी खाट उठाय कै अपनि घरु चले जाउ''। [7]अउर ऊ उठिके अपनि घर क चलि गवा। [8]लोग ई देखिके डर गये अउर परमेसुर केर महिमा करै लाग जेहि मनइन क यीसु अधिकार दिहिस हइ।

मत्ती केर बुलावा

[9]उहां ते आगे बढ़िके यीसु एकु मत्ती नाव केर मनइ क महसूल केर चौकी पै बैइठा भवा देखिन अउर उइते कहिन, कि तू हमरे पाछे—पाछे होइ लेव। अउर ऊ उठिकें वहिके पीछे होय लिहिस।

[10]अउर जब ऊ घरु म खाना खायक बइठा तौ बहुतेरे महसूल लेन वाले अउर पापी आइकै यीसु अउर वहिके चेलन के साथ खाइ कै बैइठे। [11]ई देखि कै फरीसियन वहिके चेलन ते कहिन, कै तुम्हार गुरु महसूल लैबेबारे अउर पापीन केर साथ काहै खात हैं?

[12]ऊ ई सुनिकें उनते उहितें कहिन, वैद्य भले चंगन क नाही मुला बीमारन क जरुरी होत है। [13]सो तुम जायकें ई केय मतलब मुला सीखि लेव कि हम बलिदान नाहीं दया चाहित हई। काहे ते हम धरमियन लोगन क नाहीं मुला पापिन क बुलावे आये हूँ।

यीसु सइहन उपवासु केर बारे मा परसन

[14]तब यहुन्ना क चेलन वहिके पास आयकें कहिन कि का कारन है कि हम अउर फरीसी एतना उपवासु करत हैं, मुला तुम्हार चेले उपवासु नाहीं करत हैं।

[15]यीसु उनते कहिन का बराती, जब तक दूल्हा उइकै साथ है, सोक करि सकत हैं? मुला उइ दिन आइहैं जब दूल्हा उनते अलग किया जाई, उई बखत उई उपवासु करिहैं।

[16]कोरे कपड़न के पैबन्द पुरान पहिरावन पै कोऊ नाहीं लगावत है। काहेते नया पैबन्द पहिरावन ते कुछ अउर खींच लेत है अउर ऊ अधिक फटि जात है। [17]अउर नवा दाखरस (अंगूर केर सराब) पुरानी मसकन म नाहीं भरत है, काहे ते अइस किये ते पुरानह मसकै फटि जाति हैं अउर दाखरस बहि जात है, अउर मसकै नास होइ जात हैं। मुला नवा दाखरस नई मसकन म भरत हैं अउर ऊ दूनो बचिइ रहत हैं।

मृत लरकी अउर बीमार औरत नीक किहिन

[18]ऊ उइते ई बात करत रहै कि देखौ, एकु सरदारु

आइके ऊका परनाम किहिस अउर कहिस, हमारि बिटिया अबहिन मरी है। मगर चलिके अपन हाथ उहिके ऊपर रखिहौ तौ ऊ जिन्दा होई जाई। 19यीसु उठि कै अपन चेलन के साथ पाछे होइ लिहिन।

20अउर देखौ एक अउर स्त्री जिहिके बारह बरिसते लोहू बहत रहै वहिके पाछे ते आइके उइके कपड़ा क अंचरा क छुई लिहिस। 21काहे ते ऊ अपन मन मा ई कहत रही कि अगर हम वहिके (यीसु के) कपड़ा का छुइ लेब तौ चंगी होई जावै।

22यीसु मुड़ कै उइका देखिन, अउर कहिन, बिटिया धीरज रखौ, तुम्हारु बिसवासु तुमकौ चंगा किहिस है, ऊ स्त्री चंगी होई गई।

23जबै यीसु ऊ सरदारु केर घरु मा पहुंचा, उहि बांसुरी बजाबै वालेन अउर भीड़ क हल्ला गुल्ला करत भवा देखिस। 24ऊ उनते कहिय हटि जाऔ, लरकी मरी नाई है, मुला सोवत है इह पै ऊ सबै हंसी करै लागे। 25जब भीड़, हटाय दीनी तौ वहु भीतर जायकें लरकी केर हाथवा पकरिस, अउर ऊ जी उठिस। 26अउर ई बात केर चरचा उई सारे देस न म फैलि गई।

यीसु अंधे अउर गूंगे कै चंगा किहिन

27जबै यीसु उहाँते आगे बढ़ै, तौ दुई अन्धे वहिके पाछे पाछे ई पुकारत भये चले, हे दाऊद केर सन्तान, हमरे ऊपर दया करौ।

28जबै ऊ घरु मा पहुंचा, तौ ऊ अनधरो उहिके पास आये; अउर यीसु उइते कहिन; कि का तुमका बिसवासु है, कि हम ई करि सकित है? उइ वहिते कहिन: हाँ परभु।

29तबै उइकी आँखिन के छुइ केर कहिसि तुमरे बिसुवासु कै मुताबिक तुम्हरे खातिर होय। 30अउर उकी आँखी खुलि गयीं, अउर यीसु ऊका चेताइ कै कहिन – सावधान, कोऊ ई बात क न जानै। 31मुला उइ निकरि के सारे देसन मा उहिके यस फैलाइ दिहिन।

32जब उइ बाहिर जात रहै, तौ देखौ, लोग एक गूंगे क जेहिमा दुस्टआतमा रही, वहिके पास लाये। 33अउर जबै दुस्टआतमा निकारि दीन, गई तौ गूंगौ बोलै लाग; अउर भीड़ अचम्भा करि कै कहिस कि इसराएल मा कबहूं अइस नाहीं देखा गवा।

34मुला फरीसिन कहिन कि ई तौ दुस्टआतमा कै सरदारु केर सहायता ते दुस्टआतमान का निकारत हओ।

थोड़े मजूर

35अउर यीसु सबै नगरन अउर सब गाँवन मां फिरत रहै अउर उनकी सभान मं उपदेस करत अउर राज के सुसमाचार परचार करत अउर हर तिना केर बीमारी अउर कमजोरी क दूर करत रहै। 36जबै उइ भीड़ क देखिन, तौ उन लोगन पै तरस आया, काहे ते उइ उन भेड़न केर नांई जिनके कउनो रखवार न होय, व्याकुल अउर भटके भवा जैस लागत रहै। 37तबै उइ अपन चेलन ते कहिन, पक्के खेत बहुत हैं मुला मजूर थोरेइ हैं। 38इहते कारन खेत केर मालिक ते बिनती करौ कै ऊ अपन खेत काटेक भेज देइ।

यीसु क बारह चेलन केर भेजब

10 फिर ऊ अपने बारह चेलवन का बुलाय कै उनहुन क असुद्ध आतमान प अधिकार दिहिन कि उनका निकारै, अउर सब तिना केर बीमारी अउर सब तिना के दुर्बलतन के दूर करैं।

2उन बारह परेरितन के नाम है; पहिल समौन, जउन पतरत कहलावत है, अउर ऊ का भाई अन्द्रियास, जबदी केर लरिका याकूब, उहि केर भाई यहुन्ना। 3फिलिप्पुस अउर बर–तुल्मै थोमा, अउर महसूल लेन वाला मती, हल्फै केर लरिका याकूब अउर तद्दै; 4समौन कनानी, अउर यहूदा इस्करियोती, जउन उहिका पकड़िवायौ दिहिस।

5इन बारह जनन क यीसु कहि के भेजिन कि दूसरे धरमन क मानइ वालेन की ओर न जायेब अउर समरियन के कउनेउ नगर म न घुसेउ। 6मुला इसराएल के घरानेइ केर खोई भई भेड़न केर पास जायेब। 7चलत–चलत परचार करिकै कहेउ कि सरग का राज नेरे आइ गवा है। 8बिमारन क चंगा करौ, मरै हुयेन क जियाव, कोढ़िन क सुद्ध करौ, दुस्टआतमान क निकारौ, सेतमेत पायेव है, सेतमेत देव। 9अपने पटुका मा सोना न रुपया अउर न तांबा, रखेब। 10मारग खातिर न झोली राखेउ, न दुइ कुरतो न दुइ जूतौ अउर न लाठी लेव, काहे ते मजूरन क उनकै भोजन मिलय क चाही।

11जउने नगरु, गांउं मा जाव, पता लगाव कि हुवां कउन काबिल है? अउर जब तक उहां ते न निकरौ, वहिके हियां रहौ। 12अउर वहिके घर मा परवेस करत भवा ऊ का आसीस देव। 13अगर उई घर के लोगन ई काबिल होइहैं तौ तुम्हार कलियानु उन पै पहुंची, अगर उइ ई काबिल न होय तौ तुम्हार कलियानु तुम्हरेइ पास लौटि आयी। 14अउर जउन कोई तुमका

बात न सुनै, अउर तुम्हें गरहन न करै, तौ उई घर या उई नगर ते निकरत भवा अपन पैरन केर धूरि झारि डारेव। 15हम तुमते साँची कहित हैं कि नियायु केर दिन उई नगर केर दसा ते सदोम अउर अमोरा केर देस केर दसा बहुतै सहै लायक होई। 16देखौ, हम तुमका भेड़न केर नांई भेड़ियन केर बीच म भेजित हैं इहिते सांपन केर नाईं बुधिमान अउर कबूतरन केर नाईं भोलई बनौ।

17मुला लोगन ते सावधान रहौ, काहे ते उइ तुमहुक महासभान म सौपि हैं, अउर अपन पंचायतन मं तुमका कोड़ा मरि हैं। 18तुम हमरी खातिर हाकिमन अउर राजन के समूहे उनपै, अउर अन्य जातीन पै गवाही खातिर पहुंच जायेउ। 19जब तुमका पकरिवावै तौ ई चिन्ता न करेव, कि हम केहि रीति ते या का कहिबै; काहे ते जउन तुमका कहै क होई ऊ तुमका वही घरी बताय दीन जाई। 20काहे ते बोले वाले तुम नाहीं हौ। मुला तुम्हरे बापू की आतमा तुम्हरे मा बोलित है।

21भाई, भाई क अउर बाप–लरिका क, घात खातिर सौपि हैं, अउर लरिकेवाले महतारी–बाप क खिलाफ मां उठिकैं मरिउइका डारि हैं। 22हमरे नांव के खातिर सबै लोग तुमते बैरु करिहैं। मुला जउन आखिर तक धीरज धरिहैं वहिका उद्धार होई। 23जब उई तुमका एकु नगर मा सतावैं, तौ, तुम दूसरे नगर क भागि जायो। हम तुमते सांची कहित हैं तुम इसराएल के सब नगरन में नाहीं फिर चुकिहौ कि मनइ क लरिका आइ जाई।

24चेला अपने गुरु ते बड़ा नाहीं होत है; अउर न दास अपन मालिक ते। 25चेला क गुरु के, अउर दास क मालिक के बराबर होनौं ही बहुत है। जब उइ घर के मालिक क सैतान कहैं, तौ वहिके घर बारेन क का कहिहैं?

26तउन तुइ उनते डरेव। काहे ते कछु ढपा नाहीं है, जउन खोला न जाई। 27हम तुमते जउन कछु अंधियारे म कहित हैं उइका तुम उजेर मां कहौ, अउर जउन कानौ–कान सुनत है वहिका कोठन पै ते चढ़िकें परचारु करौ। 28जउन सरीर क घात करैं हैं, मुला आतमान क घात नाहीं करि सकैं, उन्ते मत डरिहौं, मुला उइते डराव जउन, आतमा अउर सरीर दुनव क नरक मां नासि कइ सकत है। 29का पइसा मा दुई गौरइया नाहीं बिकत? तौऊ तुम्हार बापू केर इच्छा केर बिना उइमा ते एकौ धरती पै नाहीं गिरि सकत है। 30तुम्हरे सिर कै बारौ गिने भये हैं। 31एहिते डेराव नाहीं। तुम बहुतै गौरेयन ते बढ़िकै हौ।

32जउन कोई मनइन केर सामने हमका मानि लेई ऊ का हमहूं अपने सरग मा रहै वाले बापू के सामने मान लेबैं। 33मुला जउन कउनो मनइन के सामने हमार इनकार करिहैं उइका हमहूं अपन सरग मा रहै वाले बापू केर सामने इन्कार करबे।

34ई न समझौ, कि हम धरती पे मिलाय कराये का आयेन हैं। हम मिलाप करावै का नाहीं मुला तलवारु चलावै आयेन हैं। 35हम तौ आयेन हैं, कि मनइन का वहिके बापू ते, अउर बेटी क उहिकी महतारी ते, अउर बहुरिया क उहिकी सासु ते अलगि करि देई। 36मनइ के बैरी तौ वहिके घरई के लोग होइ हैं।

37जउन महतारी–बापू क हमते ज्यादा पिरय जानत हैं, ऊ हमरे लाये नाहीं, 38अउर जउन अपन सूली लैकें हमरे पाछे न चलै ऊ हमरे लायक नाहीं। 39जउन अपन परान बचावत है, ऊ उइका खोयी; अउर जउन हमरे कारन अपन परान खोबत है, ऊ उइका पाइहैं।

40जउन तुम्हका गरहन करत है, ऊ हमहुक गरहन करत हैं, अउर जउन हमका गरहन करत है, ऊ हमरे भेजबेबारे क गरहन करत है। 41जउन नबी क नबी जानि कै गरहन करै, ऊ नबी क बदला पाई 42जउन कोई इन छोटेन मा ते एकु क चेला जानि कै खाली एक कटोरा ठंडा पानी पियावै, हम तुमते सांचु कहित हैं, कि कउनऊ रीति ते आपन परतिफल न खोई।

यीसु अउर यहुन्ना बपतिसमा दाता

11 जब यीसु आपन बारह चेलन केर आग्या दै चुकै, तौ ऊ उनके नगरन में उपदेसु अउर परचारु के बरे उहां ते चलि गवा।

2यहुन्ना कैदखाने म मसीह क कामन का समाचारु सुनि कै आपन चेलन क उहिते ई पूछिबे भेजउन। 3कि का आइबेबारौ तूई है, या हम दूसरे केर बाट जउनहैं?

4यीसु ने जवाबु दियौ, कै जउन कछु तुम सुन रहे हौ, अउर देखि रहे हौ, ऊ सब जायकें यहुन्ना ते कहि देऊ। 5अन्धे देखैं हैं, अउर लंगड़े चलै फिरैं हैं; कोढ़ी सुद्ध करे जात हैं अउर बैहरे सुनिवे लगे हैं, मुर्दे जिन्दे कियै जाबे हैं; अउर कंगालन क सुसमाचार सुनायौ जावै है। 6धन्य हैं बो जउन हमरे कारन ठोकर नाहीं खावै।

7जब बे उहां ते चलि दिये, तौ यीसु यहुन्ना के बारे में लोगन ते कहन लागि; तुम जंगल में का देखई गये रहेन? का हवा ते हिलते भवा सरकंडेन क? 8फिर तुम का देखै गये रहेव? का मुलायम कपड़ा

पहिने भवा मनइन का? देखौ, जउन मुलायम कपड़ा पहिनत हैं, उइ राज महलन म रहत हैं। [9]तौ फिर काहे गये रहेव? का कउनव भबिसवकता का देखै? हो हम तुमते कहित है कि भबिसवकता ते बड़के हौ। [10]ई वहै है जिनके बारे म लिखा है, कि देखौ; हम अपने दूत क तुम्हरे आगे भेजित हैं, जउन तुम्हरे आगे तुम्हार रास्ता तैय्यार करिहैं।

[11]हम तुमते सांचु कहित हैं कि जउन मेहरारु ते जनमें हैं, उनमें ते यहुन्ना बपतिसमा देई वाले ते कउनव बड़ा नाहीं भवा मुला जउन सरग के राज म छोट ते छोट हइ ऊ उइते बड़ौ है। [12]यहुन्ना बपतिसमा दैबेवालेन के दिनन ते अबहीं तक सरग कै राज पै जोर होत रहा है, अउर बलवान ऊका छीन लेति हैं। [13]यहुन्ना तक सारे भबिसवकता अउर बेयवसथा अउर भबिसयवानी करत रहे। [14]अउर चाहौ तो मानो, एलिय्याह जउन आये के रहै, ऊ इहय है। [15]जेहिके सुनै क कान होय, ऊ सुनि लेई।

[16]हम ई समय के लोगन केर उपमा केहि ते देई? वै उन लरिकन कि नाई हैं। जउन बाजारन मं बैठे भवा एकु दूसरेन ते पुकारिकें कहत हैं।

[17]कि हम तुम्हार बदे बाँसुरी बजायेन, अउर तुम नाहीं नाचे; हम विलाप कियेन, अउर तुम छाती नाहि पीटेउ।

[18]काहे ते यहुन्ना न तौ खाति आवा, न पियत आवा। अउर वय कहित हैं, कि उहिमा दुस्टआतमा है। [19]मनइ केर लरिका खात–पियत आवा, अउर कहित हैं, कि देखौ, पेटू अउर पियक्कर, मनइ, महसूल लैबे वालेन अउर पाप करै वालेन क साथी, मगर गियान तौ अपन कामन ते, सच्चा ठहरावा गवा है।

न पछतावे वालन नगरन को धितकारन

[20]तब ऊ उन नगरन क उलाहना देई लाग, जेहिमा उइ बहुतेरे सामरथ के काम करत रहै; काहे ते उइ अपन मन नाहीं बदलिन रहै। [21]हाय, खुराजीन; हाय, बैतसैदा; जउन सामरथ केर काम तुममा कीन गये, अगर सूर अउर सैदा म कीन जेहिसे, तौ टाटु ओढ़ि कै अउर राखी म बइठ कै उइ कबहिन कै मन फिराय लेते। [22]मुला हम तुमते कहित हैं कि नियाउ केर दिन तुम्हरी दसा ते सूर अउर सैदा केर दसा अधिक सहै लायक होई। [23]अउर हे कफरनहूम, का तुई सरग तक ऊँचे किया जाई, तुम तौ अधोलोकइ तक नीचे जइहौ, जउन सामरथ कै काम तुइमा किये गये हैं, अगर सदोम म किये जात, तौ ऊ आज तक बना रहत। [24]हम तुइते कहित हैं, कि नियाउ के दिना तुम्हरी दसा म सदोम कै देस केर दसा अधिकै सहै जोग है।

उद्धार केर मिला न्योता

[25]उही समय यीसु कहिन, हे बापू, असमान अउर धरती केर परभु। हम तुम्हार धन्यवादु करित हैं कि तुइ ई बतियन का ग्यानियन अउर समझदारन ते छिपाय राखेउ अउर लरिकन पै परकट कियौ। [26]हाँ, हे बापू! काहे ते तुइका इहे नीक लाग।

[27]हमार बापू हमका सबै कुछ सौंपिन है अउर कउनेउ लरिका क नाहीं जानत, खाली बापू; अउर कउनेउ बापू केर नाहीं जानत, खाली लरिका; अउर ऊ जेहि पै लरिका उइका परगट करै क चाहै।

[28]हे सबै मेहनत करै वालेउ अउर बोझ ते दबे भये मनइ हमरे पास आवउ, हम तुमका विसराम देवैं। [29]हमार जुआ अपने ऊपर उठाइ लेव; अउर हमते सीखौ; काहे ते हम नरम अउर मन कौ दीन हन अउर तुम अपन मन मा विसराम पइहौ। [30]काहे ते हमार जुआ असान अउर हमार बोझ हलुक है।

यीसु सबत केर परभु

12 उइ समय यीसु सबत के दिन खेतन मा ते होइकै जाइ रहै, अउर वहिके चेलन का भूख लगि, तउन उइ बालि तूरिकै खाय लागे। [2]फरीसियन ई देखि कै यीसु ते कहिन देखव तुम्हार चेलउ ऊ काम करि रहे हैं; जउन सबत के दिन करब उचित नाही है।

[3]उइ उनते कहिन का तुम नाहीं पढ़ेव, कि दाऊद जबै अउर वहिके साथी भूंखे भवा तौ का किहिन? [4]ऊ काहे का परमेसुर केर घर मा गवा अउर भेंट केर रोटी खाईव ईनकौ खाब न तौ उइका अउर न वहिके साथिन क खाली याजकन कै खातिर उचित रहै? [5]या तुइ बेयवसथा म नाहीं पढ़ेव, कि याजक सबत के दिन मंदिर मा सबत कै दिन केर नियमु केर तोड़ै पै निरदोस ठहरत हैं। [6]मगर हम तुमते कहत हूँ, कि यहाँ ऊ है जउन मंदिर ते बड़ौ है। [7]यदि तुम ई जानत हौ कि हम दया ते परसन्न हन, बलिदान ते नाहीं तौ तुम निरदोस क दोसी नाहीं ठहरउतेउ। [8]मनइ क लरिका तौ सबत के दिनु उकैं परभु है।

[9]उहां ते चलिकै ऊके सभा केर घरु मा आवा। [10]अउर उनहुन उइ पै दोस लगावैक लये उहिते पूछिन कि का सबत केर दिना चंगा कै उचित है? [11]ऊ उइते कहिस, तुमरेय अइस कउनु है, जेहिकी

एकु भेड़ होय, अउर ऊ सबत कै दिन गढ्ढे मा गिर जाय, तौ ऊ उइका पकड़ि कै न निकरिहैं? 12भला, मनइ केर किमत भेड़न ते कितना बढ़ि कै है? एहि कारन सबत के दिन भलाई करेब उचितइ है। तब ऊ उई मनइ ते कहिसि, — ''अपन हाथ बढ़ाउ''।

13उइ हाथ आगे बढ़ाय दिहिस अउर ऊ दूसरे हाथ की नाईं अच्छा होइ गवा। 14तब फरीसिन बाहरु जाइकै यीसु केर खिलाफ मां सम्मति किहिन कि ऊ केहि तिना नास कीन जाय?

परमेसुर केर चुना भवा दास

15ई जानि कै यीसु उहां ते चले गये। अउर बहुतै लोग वहिके पीछे होइ लिहिन, अउर ऊ सबका चंगा किहिस। 16अउर उनहु चेताइस कि हमका परगट मत करैव। 17काहे ते जउन बचन यसायाह भबिसवकता ने कह्यौ हतो ऊ पूरौ हो।

18काहे ते देखौ, ई हमार सेवक है, जिन्हका हम चुनेन हैं, हमार पिरय, जेहिसे हमारु मन परसन्न है, हम अपन आतमा के ऊकै ऊपर डारबे, अउर ऊ अन्य जातिन क नियाउ केर समाचार देयी।

19ऊ न झगड़ा करी अउर न धूम मचाई, अउर न बज़ारन म कोऊ उहिका सबद सुनाई परी।

20ऊ कुचले भयेन सरकंडे का न तूरी अउर धुआं देत भई बतिन का न बुझाई। जब तलक नियाउ क परबल न करावै।

21अउर दूसर धरम क मनइ वाले वहिके नामु पै आस रखिहैं।

यीसु केर सक्ति

22तब लोग एकु अन्धे गूंगे का जेहिमा दुस्टआतमा रही वहिके पास लाये; अउर उहिका उइ अच्छा किहिस। ऊ गूंगौ बोलै अउर देखै लाग। 23ई पै सब लोग अचम्भौ करके कहवे लगे, कि ई का दाऊद केर सन्तान कौ है।

24मुला फरीसीन ने यह सब सुनिकें कहिन ई दुस्टआतमान के सरदार ''सैतान'' केर सहायता केर बिना दुस्टआतमान क नाहीं निकार सकै।

25उइ उनकेर मन केर बात जानिकें उन्ते कहिन, जा कऊन राज मं फूट होय है, ऊ उजड़ जाति हैं अउर कोऊ नगरु या घराना मा फूट होत है, ऊ उजड़ जात है? 26अउर अगर 'सैतान' ही सैतान केर निकारै तौ ऊ अपनेइ ही खिलाफ होई गवा है; फिर ऊकै राज काहे ते बना रहिहैं? 27अउर अगर, हम सैतान केर सहायता ते दुस्टआतमा क निकारित हैं, तौ तुम्हारे बंस केहिकी केर सहायता ते निकारत हैं? जेहिसे उई तुम्हार नियाउ चुकहैं। 28लेकिन अगर हम परमेसुर कि आतमा कि मदद से दुस्टआतमा क निकारित हैं तो परमेसुर क राजु तुम्हरे नेरे आइ पहुंचेउ।

29यां कहे क कउनउ मनइ कउनउ बलवान मनइ क घर घुसि कै उहिका मालु कौनी तरह लुटि सकत हें जब तक कि पहिले उइ मनइ क न बांधि लेई अउर तबै ऊ उइका घर लूट लेई।

30जउन हमरे साथ नाहीं है; ऊ हमरे खिलाफ मां है; अउर जउन हमरे साथ नांय बटोरत ऊ बिथरात है। 31यहिते हम तुमते कहत हन, कि मनइ का सब तिना का पाप अउर निन्दा माफु करी जायंगी, पर आतमा केर निन्दा माफु नाहीं करी जायगी। 32जउन कोऊ मनइ के लरिका केर खिलाफ में कउनउ बात करिहैं, उहिका ई अपराध तौ माफु कीन जाई मुला जउन कोऊ पवित्तर आतमा केर खिलाफ मं कुछ कहिन, उहिका अपराध न तौ ई लोक म अउर न परलोक मं माफु कीन जाई।

33जहि बिरवा क नीक कहौ, तौ वहिके फलु क नीक कहौ; या बिरवा क निकम्मउ कहौ, तौ वहिके फलु क निकम्मा कहउ, काहे ते बिरवा फलई ते पहिचाना जात है। 34हे सांप केर बच्चों तुम बुरे होइकै कहिते नीक बतियां करि सकत हौ? काहे ते जउन मन म भरा है, वहै मुंह पै आवत है। 35भला, मनइ मन के भलई भन्डारु ते भली बातन क निकारै है; अउर बुरौ मनइ बुरे भंडार ते बुरी बातन क निकारत है। 36हम तुमते कहित हई, कि जउन जउन निकम्मी बातैं मनइ कहि हैं नियाउ के दिन हर एकु बात क लेखा जोखा देत हैं। 37काहे ते तुई अपन बातन के कारन निरदोस अउर अपनी बातन के कारन दोसी ठहराये जई हैं।

योना केर चिन्ह

38ई पै केतनै सास्तरिन अउर फरीसीन उहिते कहिन, हे गुरु, हम तुमते एकु चिन्ह द्याखन चाहित हई।

39उइ बिन्ते कहिन, कि ई जुग केर बुरेइ अउर वेभिचारी लोगइ चिन्ह ढूंढ़त हैं, मुला यूनुस भबिसवकता के चिन्ह क छोड़िकें कोऊ अउर चिन्ह उइका नाहीं दीन जाई। 40यूनुस तीन रात दिन जल—जन्तू केर पेट म रहा, वैसेई मनइ का लरिका तीन रात दिन तलक धरती के भीतरै रहिहैं। 41नीनवे के लोगउ नियाउ केर दिनई ई जुग केर लोगन केर साथ उठि कै उनहुक दोसी ठहरइहैं, काहे ते उननें यूनुस क

परचार सुनिकै, मनु फिराइन अउर देखौ, इहां ऊ है जउन यूनुस ते बड़ा है। 42दक्खिन केर रानी नियाउ केर दिन ई जुग केर लोगन केर साथे उठिकें उइकै दोसी ठहरइहैं, काहे ते उइ सुलैमान कै ग्यान सुनई केर खातिर धरती केर छोर ते आई। अउर देखउ हियां ऊ है जउन सुलैमान ते बड़ो है।

43जब असुद्ध आतमा मनइ मा ते निकरि जाति हैं, तौ सूखी जगहन मा विसराम ढूढ़ति फिरती है, अउर जबै नांही पावत है। 44तबै ऊ कहत है, कि हम अपनी घर मं ते जहां निकरेन रहै, लौटि जैहउं। अउर आइकें ऊका सूना, झाड़ौ बहारा अउर सजा—सजावा पावति है। 45तबै ऊ जायकें अपनि ते अउर बुरी सात आतमान क अपने साथ लै आई। अउर ऊ उइमा बइठि कै उहां बास करति हैं, अउर उई मनइ केर दसा पहिले की दसा पहिले ते अउर बुरी हुइ जात है; ई जुग के बुरे लोगन केर दसा ऐसी ही होयी।

यीसु केर महतारी अउर भाई

46जबई उइ भीड़ ते बातैं करते रहै तबई उहिकी महतारी अउर भाई बाहर खड़े रहै। अउर उहिते बातै करै क चाहत रहे। 47कोऊ उनते कहिसि, देखौ तुम्हार महतारी अउर तुम्हार भाई बाहर खड़े हैं; अउर तुमतें बाते करै क चाहत हैं।

48ई सुनिकै ऊ कहै वाले क जवाबु दिहिस, कउनु है हमारि महतारी? अउर कउनु है हमार भाई?

49अउर अपने चेलन कि ओर अपन हाथु बढ़ाय कै कहिसि, देखौ; हमार महतारी अउर भाई ई है। 50काहे ते जउन कउनेउ हमरे सरग मा रहै वाला बापू केर इच्छा पै चलै वहै, हमार भाई बहिन, अउर महतारी है।

बीज बोनेवाले केर मिसाल

13 उइ दिन यीसु घर ते निकरि कै झील के किनारे जाइ बैठे। 2अउर वहिके जउरे अइस बड़ी भीड़ जमा भई कि ऊ नाव पै चढ़ि गवा; अउर सारी भीड़ किनारे पै ठाड़ी रही। 3अउर ऊ उइते उदाहरन मा ढेर सारी बातैं कहिस। ऊ कहिसि एकु बोबै वाला बिया बोबै क निकरा है। 4बीज बोवत समय कछु बीज रास्ता केर किनारेन पै गिरि गये अउर पंछी आयकें उनका चुगि लिहिस। 5थोरे पथरीली धरती पै गिरे, जहां उइका माटी नाहीं मिली अउर गहरी माटी न मिलै के कारन बे हालि ते उगि आये। 6मुला सूरज निकरै प उई जरि गये, अउर जड़न क न पकरै ते उई सूखाइगे। 7थोड़े झारिन मा गिरिगे, अउर झारिन बढ़िकै उनहुक दवाई डारिन। 8मुला थोर नीक धरती पै गिरै, अउर फलौ लाये, कउनउ सौ गुना, कउनउ साठ गुना, कउनउ तीस गुना। 9जेहिके कान होय ऊ सुनि लेई।

10अउर चेलन नेरे आय कै उहिते कहिन, तू उन्ते उदाहरन म काहे बात करत हउ?

11उइ जवाबु दिहिस, कि तुम क सरग के राज के भेदन केर समझि दई गई है, पर उनका नाहीं। 12काहे ते जाहि के पास है, उ कौ दीन जाई, अउर वहिके पास बहुत होई जाई, पर जिनके पास कछु नाहीं उहिते जउन कछु वहिके पास रहै, वहु लै लीन जाई। 13हम उन्ते उदाहरनन मं यहि कारन बातै करित हैं कि उइ देखत भये नाहीं देखैं, अउर सुनत भये नाहीं सुनत हैं; अउर नाहीं समझति।

14अउर उइके बारे मं यसायाह केर ई भबिसवानी पूरी होत है, कि तुम कानन ते तौ सुनत हौ, पर समझिहौ नाहीं, अउर आंखन ते तौ देखिहौ मुला तुमका ना सूझी।

15काहे ते इन लोगन का मन मोटाय गवा हैं, अउर उई कानन ते ऊँचा सुनत हैं।

अउर उई आपन आँखिन क मूंदि लिहिन हैं, कबहूँ ऐस न होय कि उई आँखिन ते देखैं,
अउर काने ते सुनै,
अउर मन ते समझैं,
अउर फिर जाएं,
अउर हम उनका चंगा करी।

16मुला धन्य है तुम्हारि आंखियां कि उइ देखति हैं, अउर तुम्हार कान जउन सुनत है। 17काहे ते हम तुमते सांची कहित है कि बहुतै नबी अउर धरमियन चाहिन कि जउन बातन का तुम देखत हौ, देखि कैं, न देखीं; अउर जउन उहितें तुम सुनत हो, सुनौ, प न सुनी।

18सो तुम बोइबेबाले कै उदाहरन सुनौ। 19जोउ कउनउ राज कै बचन सुनिकै नाहीं समझत, वहिके मन मा जउन कछु बोवा गवा रहा उइका ऊ दुस्ट आइके छीन लै जात है। ई ऊ है जउन रस्ता केर किनारे बोवा गवा रहै। 20अउर जउन पथरीली धरती पै बोवा गवा, ऊ ई है, जउन बचन सुनिकें तुरन्त खुसी ते मान ले है। 21पर अपने मं जड़ न पकड़ै के कारन ऊ थोरेई दिनन क है, अउर जब बचन के कारन क्लेस या उपदरउ होवत है, तो तुरन्तै ठोकर खाति है। 22जउन झाड़ीन मां बोवा गवा है ई ऊ है, जउन बचन क सुनत है, मुला ई दुनियां केर चिन्ता अउर धन क धोखा बचन क दबावत है, अउर ऊ फल नाहीं लावत। 23जउन नीक धरती मं बोवा गवा,

ऊ ई है जउन बचनु का सुनि कै समझत है, अउर फलु लावत है, कउनऊ सउ गुना, कउनव साठ गुना, अउर कउनऊ तीस गुना।

जंगली बीजों केर मिसाल

[24]उइ उनका एकु उदाहरन अउर दियौ कि सरग क नगर बा मनइ के समान है जाने अपुने खेत में अच्छौ बीज बोयौ। [25]मुला जब लोग सोय रहे हते तौ उहिका दुस्मन आयकें गेंहून के बीच जंगली बीज बोयकें चलौ गवा। [26]जब बीज में अंकुर फूटे अउर बालें लगीं, तौ जंगली दानेऊं दिखाई दैवे लगे।

[27]ई पै मालिक के सेवकन ने आयकें उहिते कहिन, हे मालिक, का तैने अपुने खेत में अच्छौ बीज नाहीं बोयौ? फिर जंगली दाने के पौधे बामें कहां ते आये?

[28]उइ उन्ते कहिन, ई तौ काऊ बैरी कौ काम है, सेवकन ने उहिते कहिन, अब तुम्हारी का इच्छा है, का हम उनक बटउर लायें?

[29]ऊ कहिन, कहूं ऐसौ नांय होय कि जंगली दाने के पौधान क बटउरते भवा उनके साथ गेंहूं कौ पौधा हूं न उखरि जांय। [30]कटनी के समै तक दोऊन क एक साथ बढ़न देऊ, अउर काटिबे के समै काटिवेबारेन ते कहूंगौ, कि पैहलें जंगली दाने के पौधान क बटोरिके जराइवे के तांई उनके गठर बांध ल्यो, अउर गेंहून क हमरे खलिहान में यकट्ठौ करौ।

राई केर बीज अउर खमीर केर मिसाल

[31]उइ उनका एकु अउर उदाहरनु सुनाइसि, कि सरग कै नगर राई के एकु दाने कै नाई है, जेहिका कउनव मनइ लैके अपने खेत म बोई दिहिस। [32]ऊ सब बीजन ते छोटउ है मुला जब ऊ बढ़ि जात है तौ सबै सागपातन ते बड़ा होत है। अउर ऐसइ बिरवा होइति है कि आकस कै पच्छीव आइके उइकी डारिन पे बसेरु करत हैं।

[33]उइ एक अउर उदाहरन उइका सुनाइसि कि सरग का नगर खमीर केर समान है, जेहिका कऊनव औरत लै के तीन पसेरी आंटा मं मिलाय दिहिस, अउर होत–होत सब खमीर होई गवा।

[34]ई सबै बातैं उदाहरनन मा यीसु सबै ते कहिन, अउर बिना उदाहरन के ऊ उन्ते कछु नाहीं कहत रहै। [35]अउर जउन बचन भबिसवकता ते कहयो गवा, ऊ पूरा होय कि हम उदाहरन कहबै अपन मुंह खोलिस; अउर उन बातन क जउन जगत केर उत्पत्ति ते गुपत रही परगट करिहौं।

जंगली बीज केर उदाहरन

[36]ऊ भीड़ ते उठिकें घर में आय गवा, अउर वहिके चेलन वहिके ढ़िग आयकें कहिन, कि हमें खेत के जंगली दानेन बारौ उदाहरन अच्छी तरियां ते समझाय देइ।

[37]ऊ उइका उत्तर दिहिस, कि नीकु बीजु क बोवै वाला मनइक कै लरिका है। [38]खेत संसारिक है, अच्छौ बीज नगर केर सन्तान, अउर जंगली बीज दुस्टन केर सन्तान है। [39]जउन बैरी उइका बोइसि ऊ सैतानु है, अउर कटनी संसार क अन्तु है; अउर काटिबेबारे सरगदूत।

[40]तउन जइसे जंगली दाने बटोरि अउर जलाये जात है; वैसेइ जगत केर अन्त में होयी। [41]मनइ केर लरिका अपने सरग दूतन क भेजी, अउर वहिके नगर में ते सब ठोकर के कारन क अउर बुरे करम करइ वालेन क यकट्ठा करिहैं। [42]अउर उइका आग केर कुंड मां डारिहैं, उहां रोउब अउर दाँतु पीसब होई। [43]ऊ समय धरमी आपने बापू के नगर मां सूरज केर नाई चमकिहे; जेहिका कान होंय ऊ सुनि ले।

छिपे भवा खजाने अउर मोती केर उदाहरन

[44]सरग का नगर खेत में छिपे भवा धन के समान है, जेहिका कोऊ मनइ नें पायकें छिपा दिहिस, अउर मारे आनन्द के जाइकें अउर अपुनौ सब कछु बेचिकें बा खेत क मोलु लै लिहिस।

[45]फिरि सरग का राज एकु व्यपारीक केर नांई है जउन अच्छे मोतीन केर खोज में रहै। [46]जबै ऊ का एकु कीमती मोती मिल्यो तो ऊ खरीदै कै खातिर अपनि सबै कछु बेच दिहिस, अउर उइका मोलु लै लिहिस।

जाल केर मिसाल

[47]फिरि सरग का नगर उइ बड़े जाल के समान है, जउन समंदरु मां डारा गवा, अउर हर तिना केर मच्छरिन क बटोरि लावा। [48]अउर जब भरि गवा, तौ उइका किनारे पै खींचि लावा, अउर बैठिके नीक नीक मच्छरिन क टोकरीन में यकट्ठा किहिन अउर निकम्मी क फेंकि दिहिन। [49]जगत के अन्त म ऐसेइ होई। सरग के दूत आइके दुस्टन ते धरमियन ते अलग करिहैं, अउर उइका आग के कुंड म डारि दे हैं। [50]हुंआ रोउब अउर दांतु पीसब होयी।

[51]का तुम ई सबै बातन क जानेउ समझेउ?

[52]उइ उहिते कहिन – हां; उइ उन्ते कहिन, यही कारन हर एकु सास्त्री जउन सरग के नगर का चेला

बनौ है, ऊ गरहस्थ केर तिना है जउन अपने भंडार मा ते नई अउर पुरानी सामानन केर निकारत है।

नबी अपन नगर मा अनादर पावत है

53जब यीसु ई सबै उदाहरन कहि चुकै, तो उहां ते चला गवा। 54अउर अपन नगर में आयकें उनकी सभा में ऐसन उपदेस दैवे लगा; कि वे चकित हो कै कहै लागै कि जेहिका ई ग्यान अउर सामरथ केर काम कहां ते मिली? 55का ई बढ़ई कै बेटा नाहीं? अउर का जेहिकी महतारी केर नाम मरियम नाहीं अउर जेहिके भईयन के नाम याकूब अउर यूसुफ, समौन अउर यहूदा नाहीं? 56का जेहिकी सबै बहिनें हमारे बीच में नाहीं रहैं? फिर इनका ई सबु कहां ते मिली? 57तउ उनहिन वहिके कारन ठोकर खाईन, मगर यीसु उन्ते कहिन, भबिसवकता अपन नगर अउर अपन घरौ क छोड़ि अउर कहूं निरादर नाहीं होत।

58अउर उइ हुआं उनके बिसवासु के कारन समरथ कर अनेकई काम नाहीं किहिन।

यहुन्ना बपतिसमा दाता

14 उइ समय चौथाई देसन केर राजा हेरोदेस के बारे में चरचा सुनिसि। 2अउर अपन सेवकन ते कहिसि, ई यहुन्ना बपतिसमा दैवेबालौ हवै; ऊ मुरदन मां ते जी उठा हई; यही कारन उहिके सामरथ कै काम देखायी परत है।

3काहे ते हेरोदेस न अपन भाई फिलिप्पुस केर मेहरिया हेरोदियास के कारन, यहुन्ना के पकरि कै बाँधिसि अउर जेलखाने मा डारि दिहिस रहै। 4काहे ते यहुन्ना उनते कहिन रहै, कि जेहिका रखव नाहिन हइ। 5अउर ऊ उहिका मारि डारा चाहत रहै। मगर लोगन ते डेरात रहै। काहे ते वहिका नबी लोगन जानति रहैं।

6मगर जबै हेरोदेस कै जनम दिनु आवा तबै हिरोदियास की बिटिया उतसव मा नाचु देखाइ के हेरोदेस क खुस करि हिदिस। 7यहि कारन ऊ कसम खाई कै बचन दिहिस कि जउन तुम मागिहौ तउन हम तुमका देबै। 8ऊ अपुनी महतारी कै उक्सावै ते कहिस यहुन्ना बपतिस्मा देन वालेक सिर थार म हमका इहै मगवाय देव। 9राजा दु:खी भवा, मगर अपनिह कसम कै खातिर अउर साथै बैठे वाले लोगन के कान आग्या दिहिस कि ''दै दीन जाय।'' 10अउर कारागार म लोगन क भेजि कै यहुन्ना केर सिर कटवाय दिहिस। 11वहिका सिर थारिया/विरिया मा लावा गवा, अउर ऊ वहिका अपन महतारी केर पास लै गयी। 12अउर वहिके चेलन आइके अउर वहिकी लोथ क लै जाइ कै गाड़ि दिहिन। अउर जाइकै यीसु क खबर दिहिस।

पांच हजार को

13जब यीसु सुनिन तौ नावै प चढ़ि कै कहुं सुनसान जगह मा एकान्त म चला गवा अउर लोग ई सुनिकै नगर ते पैदले उन्हिकै पाछे हुई लिहिन। 14उइ निकरि कै बड़ी भीड़ देखिन; अउर वहिपै तरस खाइस; अउर वहिके बीमारन क चंगा करि दिहिस।

15जबै सांझि होई गै तबै उहिके चेलौ वहिके पास आइकै कहिन ई तौ सुनसान जगह है अउर देर होइ रही है। लोगन क हिंया से विदा कीन जाय। जेहिते उइ बस्ती म जाइकै अपन खातिर भोजन मोल लै लेयं।

16उ यीसु ते कहिन, उनहिन क जाब जरुरी नाहि है तुम इनहुन क खायेक देव।

17यीसु उनते कहिन, हियां हमरे पास म पांच रोटी अउर दुई मछरी क छाड़ि कै कछु नाहीं है।

18ऊ कहिस उन्हका इहां हमरेइ पास लैआवौ। 19तबै उह लोगन क घास पे बैठेइ क कहिसिं अउर उइ पांच रोटिन अर दुइ मछरी क लिहिन अउर सरग कै ओर देखि कै धन्यवाद कहिस, अउर उइ रोटिन क तूरि—तूरि कै चेलन लोगन क दिहिन। 20अउर सबै खायकें तृप्त भये, अउर उनहुन बचे हुए टुकरन ते भरी बारह टोकरीन क उठाइन। 21अउर खाबै वाली औरतन अउर लरिकन क छाड़ि कै पांच हजार मनइन कै अटकल रहै।

यीसु पानी पर चलत है

22अउर उइ फौरन अपन चेलन क वरबस नावे पे चढ़ाइन जेहिते उहि उनहुनते पास चले जाय। यहि बीच उइ लोगन क विदा करि देय। 23वहु लोगन क विदा करिकै पराथना करिके अलग पहाड़ पे चढ़ि गयौ अउर साझै क अकेलु रहै। 24उइ समय नाव झीलै क बीच म लहरन ते डगमगाती रही, काहे ते हवा सामने केर रहै।

25अउर ऊ रात के चौथे पहर झीलु के ऊपर पै चलत भये उनकेर पास आवा। 26चेलन ऊका झील प चलत भये देखिकै घबराई गये; अउर कहै लागि, ऊ भूत है; अउर डरिकै चिल्लाये उठै।

27यीसु तुरन्तै उनते बात किहिन अउर कहिन, धीरज धरौ; हम हन; डराव ना।

28पतरस उहिका जवाबु दिहिस कि हे परभु, जदि

तुमही हौ,
[29]उइ कहिसि आओ; तब पतरस नावु पै ते उतरि कै यीसु के नेरे जान खातिर पानी पै चलइ लागि। [30]मुला हवा क देखि कै डेराय गवा, अउर जब डूबै लाग तौ चिल्लाय कै कहिसि हे परभु हमका बचावउ।
[31]यीसु तुरते हाथ क बढ़ाइकै उहिका थामि लिहिसि। अउर उहिते कहिन हे अलपविस्वासी तुम काहे क संका किहेव।
[32]जब उइ नाव पै चढ़िगै, तौ हवा रुकिगै। [33]येहिसे जौन नरव पर रह उइ उनका परनाम करिके कहन सांचि तुम परमेसुर कै लरिका हव।
[34]उइ पार उतरि कै गन्नेसरत देस मा पहुंचे। [35]हुआं के लोग उनका पयियानि के नेरे के सारी जगहां में कहवाय दिहिन कि सब बीमार क उनके पास लै आवै। [36]अउर उहिते बिनती करै लागै, कि ऊ उन्हे अपने कपड़ा के आँचरि छींका छुवै दें अउर जे—जे उनका छुइसि नीक होई गए।

सुद्ध अउर असुद्ध केर सवाल

15 तब येरूसलम ते केतने फरीसी अउर सास्त्री यीसु के नेरे आइके कहै लागे। [2]तुम्हार चेला पुरनियन केर रीतन का काहे नाहीं मानत है कि रोटी खात बखत हाथ नहीं धोउते?
[3]उई उनका जवाबु दिहिस कि तुमहूं अपनी रीत के नाते परमेसुर कै कहा नाहीं मनतेव। [4]काहे ते परमेसुर कहिन तुम अपने बापू अउर आपन महतारी कै आदर किहैव, अउर जो अपने महतारी—बाप का बुरा कहै ऊ मारि डारा जाइ। [5]मुला तुम कहत हौ, कि अगर कोऊ अपनी महतारी या बापू ते कहै, कि, जउन कछु तुमका हमते फायदा होइ सकत रहा ऊ परमेसुर का भेंटि मां चढ़ावा जाय चुका है। [6]तौ ऊ अपने बाप कै आदर न करै, तउने तुम अपनी रीतिन की वदै परमेसुर के बचन नाहीं मानेव। [7]अउर ओ कपट राखै वालै, यसायाह तुम्हरे बारे म ई ठीकै कहिन रहा।
[8]कि ई लोग मुंह से तौ हमार आदर करत हैं। मुला उनकै मन हमरे से दूरि रहत हैं।
[9]अउर उइ हमार उपासना बेकारे करत हैं काहे ते मनइन के तरीकन का धरम कै उपदेसु करि के सिखावत हैं।
[10]अउर उइ उनका अपने नेरे बोलाइ कै उनसे कहिन सुनौ अउर समझौ। [11]जउन मुंह मा जात है ऊ मनइ का असुद्ध नाहीं करत मुला जउन मुंह से निकरत है वहै मनइ का असुद्ध करत है।
[12]तब चेलन आइके उनसे कहिनि का तुम जानत हौ कि फरीसी ई बचन सुनि कै ठोकर खाइन।
[13]ऊ जवाबु दिहिस, जउन बिरवा हमार बाप नाहीं लगाइस ऊ उखारा जाई। [14]उनका जाइ देव ऊ अंधेरा रास्ता देखावै वाले हैं और अन्धा अउर अन्धा का रास्ता बतावै तौ दुनउ गड़हा मा गिरि परिहैं।
[15]ई सुनिकैं, पतरस उनते कहिन, ई उदाहरन हमका समझाय देव।
[16]ऊ कहिन, का तुमऊ अबही तक ना समझ पायेव। [17]का नाहीं जानत हव कि जऊन कछु मुंह मा जात और पेट मा परत हैं ऊ सन्डास मा निकरि जात है। [18]मुला जउन कछु मुंह ते निकरै है, ऊ मन ते निकरै है, अउर बोई मनइ क असुद्ध करै है। [19]काहे ते बुरी चिन्ता, हतिया, दूसरे कै मेहरारु राखेव, बेभिचार, चोरी, झूठी गवाही अउर निन्दा मनइ के मन ही ते निकरत हैं। [20]यहै है जउन मनइ का असुद्ध करत है, मुला बिना हाथ धोये खाना खाव मनइ क असुद्ध नाहीं करत है।

कनानी औरत केर बिसवासु

[21]यीसु इहां ते निकरि के सूर अउर सैदा के देसन केर ओर चला गवा। [22]अउर देखौ, उइ देसन ते एकु कनानी औरत निकरी, अउर चिल्लाई कै कहै लागि, हे परभु दाऊद केर बेटवा हमरे ऊपर दया करौ, हमरी बिटिया का बुरा आतमा बहुतै सतावत रही है।
[23]मुला ऊ उइका कछु जवाबु नाहीं दिहिस, अउर वहिके चेलन ने आइकैं बिनती किहिन, कि येहिका विदा करौ, काहे ते ऊ हमरे पीछे आवत है।
[24]उइ जवाबु दिहन कि इसराएल घराने कै हैरान भेड़न का छोड़ि के हम केहू के पास नाहीं भेजे गयेन।
[25]मुला मनइ आयी अउर उनका परनामु कइकै कहै लागै कि हे परभु हमार मदद करौ।
[26]ऊ जवाबु दिहिन, कि लरिकन केर रोटी कूकुर कै आगे डारव ठीक नाहीं।
[27]ऊ कहिसि चांसि है परभु मुला कूकुरौ बहु खात है जउन उनकेर मालिकन क जूठन बचत है।
[28]यहि पौ यीसु उइका जवाबु देइ के कहिन कि ओ औरत तोहार बिसवासु बड़ा है। जइसन तुम चाहत है, तोहरे खातिर वैसेइ होइ अउर ऊ कै बिटिया वही समया नीक होइ गई।

चारि हजार लोगन का भोजु

[29]यीसु हुआं ते चलिकें, गलील केर झील के नेरे आये, अउर पहाड़ पै चढ़िके उहां पै बैठि गये। [30]अउर भीड़ पै भीड़ लंगड़े, लूले, अन्धे, गूंगे, टुंडे,

अउर बहुत क लैकें उनके नेरे आये, अउर उनका पैरन पै डारि दिहिन अउर ऊ वनका नीक कई दिहिस। 31तउन जब लोग देखिन कि गूंगे बोलत हैं, अउर टुडे नीक होवत हैं लगड़ें चलन लागै हैं, अउर अन्धे देखत हैं, तौ लोग अचम्भौ करिकें इसराएल के परमेसुर केर बड़ाई किहिन।

32यीसु अपने चेलन क बुलाई कै कहिन, हमका ई भीड़ पै तरस आवत है, काहेते ई तीन दिन ते हमरे साथे हैं, अउर वनके पास कछु खाये के खातिर नाहीं है। अउर हम ऊका भूंखा भेजा चाहित, हैं। कहूं ऐसन न होय कि रास्ता मा थकि के रहि जाय।

33चेले ऊते कहिन, हमका ई जंगल मां कहां एतनी रोटी मिलिहैं कि हम एतनी भीड़ कै भूख मिटाय पाउब।

34यीसु उनते पूछिन तुमरे पास केतनी रोटी हौ? उइ कहिन सात अउर थोरी नान्ह मछरी हैं।

35तब उइ लोगन ते जमीन पै बैठेइ का कहिन। 36अउर उइ सात रोटी अउर मछरी का लै धन्यबाद करिके तोड़िस अउर अपने चेलन का देत गये। 37तउन सबे पेट भरि गवा अउर बचे टुकरन ते सात टोकरी उठाइन। 38अउर खाय वाले औरत अउर बच्चन का छोड़ि कै चार हजार मनइ रहे। 39तब उइ भीड़ का भेजि के नाव पर चढ़ि गवा अउर मवादन देस के सिवानन मा आये।

निसान द्याखेय के खातिर मांग किहिन

16 अउर फरीसिन अउर सदूकिन नेरे आइके उनका परखै खातिर उनते कहिन कि हमका अकास कै कउनो निसान दिखावव।

2उइ उनका जवाबु दिनि कि संझाा क तुम कहत हव कि खुला रही काते ते कि आकास लाल हौ। 3अउर भोर का कहत हौ कि आज आंधी आयी काहे ते आकास लाल अउर धूमिल हैयो। तुम आकास के लछनै देखिके भेद बताये सकत हौ, मुला समय कै निसान नहीं बताये सकत हौ। 4ई जुग के बुरे अउर बेभिचारी करै वाले लोग चीन्ह ढूंढ़त है मुला यूनुस कै चीन्ह का छोड़ि के कउनउ अउर चीन्ह उनका नाहीं दीन जाई अउर ऊ उका छाड़ि के चला गवा।

फरीसिन अउर सदूकियन केर खमीर केर बारे मा

5अउर चेले जात बखत रोटी लेब भूलि गे। 6यीसु उनते कहिन, देखौ; फरीसिन अउर सदूकियन के खमीर तै चौकस रहेब।

7उइ आपस मा विचार करै लागे कि हम तौ रोटी नाहिन लायेन।

8ई जानिके यीसु उनते कहिन, अरे थोर विसवासी तुम आपस मा काहे सोंचत हौ कि हमरे पास रोटी नाहीं है। 9का तुम अबलौ तक नाहीं जानेव? अउर ऊ पांच हजार कै पांच रोटी याद नाहीं करतेव, अउर न ई कि केतने टोकरी उठाये गये रहै। 10अउर ऊ चार हजार की सात रोटी अउर न ई कि कितने टोकरें उठाये गये रहै। 11तुम काहे नाहीं समझत हो कि हम तुमते रोटिन के बारे मे नाहीं कहव फरीसियन अउर सदूकिन केर खमीर ते होसियार रहेय। 12जब ऊकी समझ मां आई गवा कि उइ रोटी के खमीर ते नाहीं रहै का कहिन रहै।

पतरस का यीसु क मसीह स्वीकारना

13यीसु कै सरिया फिलिप्पयों के देस मा आइके अपने चेलन ते पूछै लागे कि लोग मनइ के लरिका क कहत हैं?

14उइ कहिन, केतने तौ यहुन्ना बपतिसमा दै वाला कहत है। अउर केतने एलिय्याह, अउर केतने यरमयाह या नबी मा ते कउनव एक कहत है।

15उइ उनते कहिन; मुला तुम हमका का कहत हौ?

16समौन पतरस जवाबु दिहिन कि तुम परमेसुर कै लरिका मसीह होओ।

17यीसु ऊ का जवाबु दिहिन कि समौन योना केर लरिका, तुम धन्य हौ; काहे ते मांस अउर लोहू नाहीं, मुला हमरे बाप जउन सरग मा है, ई बतिया तुम पर परगट किहिन है। 18अउर हमहूं तुमते कहित है कि तुम पतरस हौ, अउर हम ई पाथर पर आपन कलीसिया बनाइब; अउर अधोलोक कै फाटक ऊपर परबल न होई। 19हम तुमका सरग कै नगर केर कुंजी देब, अउर जउन कछु तुम धरती पर बंधिहौ अउर जउन तुम जमीन पर खोलिहौ, ऊ सरग मा खुली। 20तब उई चेलन का चेताइन कि केहू ते न कहेव कि हम मसीह हन।

अपन मौत केर भबिसवानी

21उइ बखत ते यीसु अपने चेलन का बताबै लागि कि जरूरी है कि हम यरुसलेम जाई अउर पुरनियां अउर महायाजकन अउर सास्त्रीन केर हाथ ते बहुत दु:ख उठाई अउर मार डारा जाई। अउर तिसरे दिन जी उठी।

22ई पर पतरस उइका अलग लै जायकें झिड़कै लागि कि हे परभु, परमेसुर न करैं, तुमरे ऊपर ऐसन

कबहूं न होई।
23ऊ मुड़िके पतरस ते कहिन, हे सैतान, हमरे
सामने ते दूरि होई जाव तुम हमरी खातिर ठोकर कै
कारन हौ, काहे ते तु परमेसुर केर बातन पर नाहीं,
मुला मनइ केर बातन पै जियादा गउर करत हौ।
24तब यीसु अपने चेलन ते कहिन; कि, जदि
कोऊ हमरे साथे आइस चाहे तौ अपने आपका
इनकार करै अउर आपन सूली उठावै, अउर हमरे
पाछे हुई लेय। 25काहे ते जउन कोऊ आपन परान
न बचावा चाहै, ऊ उइका खोई अउर जउन हमरे
खातिर आपन परान खोई ऊ उइका पाई। 26यदि
मनइ सारी जगत का पाइ जाई अउर अपन परान कै
हानि उठावै, तो उइका का फायदा होई? या मनइ
अपने परान कै बदले मां का देयी? 27मनइ कै
लरिका अपने सरग दूतन के साथे अपन बाप केर
महिमा मां आयी अउर ऊ बखत ऊ हर एक का
वहिके काम के हिसाब ते फल देयी। 28हम तुमते
सांचि कहित है कि जउन हियां खड़े हैं, उनमा ते
केतने ऐसन हैं कि जवलै मनइ के लरिका उनके राज
मा आवत भये न देखि लैहैं, तब तक का सवाद
कबौ न चखिहैं।

यीसु केर रूप कय परिवरतन

17 छह दिन के बाद यीसु ने पतरस अउर याकूब
अउर वहिके भाई यहुन्ना का साथ लै लिहिन।
अउर उन सबका एकान्त मा कौनेउ उंचे पहाड़ पर लै
गवा। 2अउर उइके सामने वहिका रुप बदलि गवा,
अउर वहिका मुंह सूरज केर नांई चमकै लागि अउर
उहिका कपड़ा उजर हुइ गवा। 3अउर देखउ मूसा
अउर एलिय्याह वहिके साथे बातेंइ करत उन सबका
दिखाई परे।
4यहि पर पतरस यीसु ते कहिन, हे परभु, हम
लोगन हियां रहब नीक हवै। जू हुवै तो हियां तीन
झोंपड़ी बनाई। याक तोहरे तई, याक मूसा तई, अउर
याक एलिय्याह तई।
5ऊ बोलते रहै हो, कि देखौ याक उज्जर बादर
उनका छाय लिहिस अउर देख्यौ, उई बादर में ते या
आकासवानी भई कि ई हमार दुलारा लरिका हय ई
उहते हम खुस हन, सुनव।
6चेले ई सुनतै मुंह के बलै गिरिगै, अउर बहुतै
डरिगे। 7यीसु उन सबके पास आय के उनका छुइन,
अउर कहै लागि उठव; डेराव नाहीं। 8तब उइ सब
अपनि आँखी खोलिकै यीसु के अलावा अउर कोई
का नाहीं देखिन।
9जब उई पहाड़ ते उतर रहै तब यीसु उनहिन ते
यह कहिन कि जब तलक मनइ का लरिका मरे भये
में ते जी न उठै, तब तलक, जउन कछु तुम देखेव
हौ, कोई ते न कहेब।
10अउर वहिके चेला वहिते पूछिन कि फिन सास्त्री
काहे कहत है कि एलि़याह का पहिले आउब जरूरी है।
11ऊ कहिसि कि एलिय्याह तो अइबै करिहैं अउर
ऊ सबै कुछू ठकी करी। 12मगर हम तुमते कहित हैं
कि एलिय्याह आय गवा है अउर कोई वहिका नाहीं
पहिचानिस मगर जउन चाहेन वहै वहि के साथे
किहेन जेहि रीत ते मनइ का पेटवा उनके हाथु ते दुख
उठइ हैं। 13तब चेला समझिन कि ऊ हम ते यहुन्ना
बपतिस्मा दिये वाले के तई कहत है।

मिरगी वाले लरिका केर चंगाई

14जब उइ भीड़ के पास पहुंचे, तब याक मनई
वहिके पास आवा अउर टुहनी के बल बइठ कै कहय
लागि। 15हे परभु, हमरे लरिका पै दया करौ, काहे
ते वहिका मिरगी आवत है अउर ऊ बहुतय दुख
उठावत हय, अउर बेरि बेरि आगि अउर बेरि बेरि
पानी मा गिरि जावत है। 16अउर हम वहिका तुम्हरे
चेलन के पास लायेन रहै, मुला ऊ वहिका ठीक
नाहीं कर पाइन।
17यीसु कहिन ओ विसुवासु न करै वाले अउर
जिद्दी लोगों हम कब तक तुम्हरे साथे रहेब, कब
तक तुम्हारि सहिकै, वहिका हियां हमरे पास लाउ।
18तब यीसु वहिका फटकारिन, अउर सैतान वहिमा
ते निकरा अउर लरिकवा वाही समय मा ठीक हुइ
गवा।
19तब उइ चेलन ने एकान्त में यीसु के पास
आयकें कहिन, हम जिन्हका नांय निकारि पायेन।
20ऊ उनते कहिसि कि तुमका बिसुवासु नाई रहय,
काहे ते हम तुमते सांची कहित हैं कि अगर तुम्हार
बिसवासु सरसौं के दाना कै बराबर हुवैं तब ई पहाड़
ते कह सकिहौ कि हियां ते सरकि कय हुआं चले
जाव तौ ऊ चला जाई, अउर कउनिव छु बात तुमरे
तांई अनहोनी न होई। 21जब उइ गलील मां रहय,
तब यीसु उनते कहिन कि मनइ का लरिका मनइ के
हाथन मा पकरावा जाई।
22अउर उइ वहिका मार डरि हैं अउर ऊ तीन दिन
कै बाद जी उठी। 23यहि पर उइ बहुतै उदास होइगै।

मंदिर केर कर

24जब उइ कफरनहूम मा पहुंचिगे, तउ मंदिर तेई

चन्दा लिय वाले पतरस के पास आयकै पूछिन कि का तुम्हार गुरु मंदिर केर नाहीं दियत हैं ऊ कहिस हां दियत तो हैं।

25जब ऊ घर मां आवा, तब यीसु वहिसे पूछै के पहिले वहिते कहिन कि हे समौन तू का समझत है कि धरती के राजा महसूल केहिसे लियत हय अपन लरिकन ते या दुसरेन ते। पतरस उनते कहिन कि दुसरेन ते।

26यीसु वहिते कहन तब तौ बेटवन बचि गे। 27तौ भी यहि के तई कि हम उनका ठोकर न खवायें तू झील के किनारे वहिका लियाउ तो तुमका मुंह खोलइ एक सिक्का मिली वहि लैके हमरे अउर आपनि बदले वहिका दै दिहेव।

सरग केर राज्य मा कउन बड़ा हय

18 ऊ समय मां चेले यीसु के पास आयके पूछे लागि कि सरग कै राज मां बड़ा कउन है?

2यहि पर ऊ एक बचवा का पास बोलाय कै ऊ के बीच मां खड़ा किहिस। 3अउर कहिस, हम तुमते सांचु कहित है कि तुम न फिरौ अउर लरिकन के अइस न बनौ तब सरग कै राज मा न पइहौ। 4जउन कोऊ अपन का ई लरिका की नाई छोट लेई सरग कै राज मा बड़ा होई।

5अउर जउन कोऊ हमरे नाम ते एक अइस लरिका का गरहन करत है, वह गरहन हमका करत है। 6मुला जउन कोऊ इन छोटन पर ते हम पर बिसवासु करत हैं, याक का ठोकर खवाबै, वहिके खातिर भलौ होतौ, कि बड़ी चक्की केर पाट वहिके गरई मां लटकावा जात, अउर ऊ गहिरे समुंदर मा बोरि दीन जाय।

7ठोकरन के कारन संसार पै हाय! ठोकरन का लागब जरुर है मुला हाय उई मनइ पै जेहिके कारन ठोकर लागत है। 8यदि तुम्हार हाथ या पाँव तुमका ठोकर खवावे, तब काटि के फैंक दियौ; टुंडा या लंगड़ा होयके जिन्दगी मा घुसी जाव तुम्हरे तई वहिते ठीक ठीक हवे कि दुइ पांव या दुई हाथ रहत भये अनन्त आगी मां डारे जाय। 9अउर यदि तुम्हार आंखि ठोकर खवावै तब वहिका निकरि कै फेंकि देवि।

भटकी भई भेड़ केर उदाहरन

10काना होयके जिन्दगी मां घुसौ तुम्हरे तई अच्छा है कि दुइ आंखीरहत भये तुम नरक की आगी मां डारे जाव। 11देखौ, तुम इन छोटन मां ते कोई का तुच्छ न समझौ याही तई हम तोंहसे कहित हैं कि सरग मा वहिके दूत हमरे सरग मां रहे वाले बाप का मुंह हमेसा देखत हंय।

12तुम का समझात हव कि जदि कउनउ मनइ केर सौ भेड़ें हैं अउर वहिमा ते याक हेराय जाय, तब का निन्नानबे कहियां छोड़ि कय, अउर पहारु पइ जाय कय हेरान भेड़ का न ढूंढ़ी? 13अउर यदि अइसन हुवै कि वहिका पाय, जाय तब हम तुमते सांच कहित हैं, कि ऊ उइ निन्नानबे भेड़िन खातिर जउन खोई नाहीं रहय अतना आनन्द ना खुस होई जितना कि हेरान भेड़ का पाय कय खुस हुवत है। 14अइसनै तुम्हार बाप जउन सरग मां हय उनका मन न होई कि इन छोटन म इसे कउनो हेराय।

भाइयन केर झगरे केर फैसिला

15यदि तुम्हार भाई अपराध करै, तब जाव अउर अकेल मा बात–चीत करिकै वहिका समझाउ, यदि ऊ तुम्हार बाति मान जाय तब तुम अपन भाई का पाप लिहेव। 16यदि ऊ तुम्हार न सुनैं, तौ अउर याक दुई जनै का अपन साथै लै जाव कि हर याक बात दुई या तीन गवाहन के मुंहि ते ठहराई जाय। 17अउर यदि ऊ उनहुन केर न मानै, तब कलिसिया ते कहि दियौ, मुला कलिसियौ केर ना मानै, तब तूं वहिका दूसरी जाति अउर महसूल लेय वालेन के अइसन जानेव।

18हम तुम ते साँची कहित हैं, जउन कुछु तुम धरती पर बधिहौ वाहै सरग मां बंधी अउर जौन कुछ तूं धरती पर बोलि होवहीं सग मा खुली।

19फिर हम तुमते कहत हैं कि जदि जउन मा ते दुई जनें धरती पर कवनिउ बाति की तई जउन उइ मांगै याकै मन के हुवै तब ऊ हमार बापू की तरफ सेनी जो सरग मा है वन की तई होइ जाई। 20यही तई उहां दुइ या तीन हमरे नाम पर यकट्ठा हुवत हैं हम उनके बीच मा होइत है।

निरदयी दासु केर माफ करै केर मिसाल

21तब पतरस उनके पास आयकै कहिन हे परभु यदि हमार भाई अपराध करत रहय तब हम केतनी बार वहिका छिमा करी का सात बार तक।

22यीसु ने वहीं से कहा हम तोंहसे यू नाहीं कहित है कि सात बार के वरन सात बार के सत्तर गुना तक।

23यहिते सरग का राज उइ राजा के समान है, हवै जउन अपने दासन ते लेखा लेव चाहै। 24जब ऊ लेखा लेय लाग, तब एक जना वहिके समनवां पास लावा गै जउन दस हजार तोड़े धरतौ रहौ। 25जबकि

चुकावे कि तई वहिके पास कुछौ नाहीं रहै, तब वहिकै मालिक कहिसि कि ई अउर यहिकी मेहरुआ अउर लरिका बच्चा अउर कुछ यहिका है। सब बेच देव अउर ऊ करजा चुकाय दीन जाय।

[26]यहि पर ऊ दास गिरि कै परनाम किहिस अउर कहिस हे मालिक धीरज धरौ हम सब कुछ भर देव। [27]तब उइ दास के मालिक ने तरस खाय कै वहिका छोड़ि दिहिस अउर वहिका उधार माफु कै दिहिस।

[28]मुला जब ऊ बाहर निकरा, तब वहिके संगी दासन म से एक वहिका मिला जउन वहिके सौ दीनार चहत रहै। ऊ वहिका पकरि के वहिका गटई दबाइस अउर कहिस जउन तुम धरत हौ दै देव।

[29]यहि पर वहिका संगी दास गिरि कै विनती करै लागि।

[30]ऊ नाहीं मानिस अउर लै जायकै जेल मा बन्द कै दिहिस कि जब लौ करज न देवौं तब लौं हियं रहिहो। [31]वहिके संगी दास यू सब देखिकै बहुतै उदास हुइगे। अउर जायकै अपने मालिक का पूरा किस्सा बताइन।

[32]तब वहिके मालिक ने ऊ का बुलाय कै कहि हे दुस्ट दास तू जउन हमते विनती किहेव रहा तो हम तोहार पूरा करजा माफ कर दीन। [33]सो जइसन हम तोहरे पर दया किहेन वइसे तोहका अपने साथी दास पर दया न करवई का न चाही। [34]फिर वहिके मालिक ने गुस्सा कै कै वहिका सजा देय वालेन के हाथन मा दै दिहिस क जब तक यू करजा नाहीं चुकाये देते तब तक वनहिन के हाथन मा रहै।

[35]यही मेर यदि तुममा ते हर एक भाइन का मन ते माफु न करी तो हमार बाद जउन सरग मा है तुम हूं ते वैसनै करी।

तलाक

19 जब यीसु यू सब कहि चुके तब गलील ते चला गवा, अउर यहूदिया के देस मा यरदन के पार आवा। [2]अउर बड़ी भीड़ वहिके पीछे होइगै अउर उसने उनहें वहिंइ चंगा किहिस।

[3]तब फरीसी उहिकी परीच्छा लिये कि तई वहिके पास आयकै कहै लागि का हर एक कारन ते आपनि ये मेहरारू का छोड़व ठीक है

[4]ऊ कहिसि का तुम नाहीं पढ़ेव कि जउन उनका बताइस हे वहै पहिले ते मनइ अउर ये हरिया बनाई कै कहिसि। [5]यहि कि तई मनइ अपने महतारी बाप ते अलग होइके आनि मेहरारू केर साथे रही अउर उइ दोनों एक तन हुइ हैं। [6]सो उइ अब दुइ नहीं एक तन है। यही लिये जेहिका परमेसुर जोड़ेसि हय वहिका मनइ अलगे न करै।

[7]उइ वनसे कहिन कि मूसा ने काहे यू ठहराइन कि तियागपत्र इदकै वहिका छांड़ि देव।

[8]उइ उनते कहिन मूसा ने तुम्हरे मन कै कठोरता के कारन तोहका आपनि—आपनि मेहरिया छांड़ि दियै का आग्या दिहिन मगर पहिले ते अइसन नाहीं रहै। [9]अउर हम तुमते कहित हैं कि जउन कोऊ बेभिचारु को छाड़ि अउर कउने कारन ते, आपनि मेहरिया का छांड़ि करकै दूसरी ते बियाह करै वहै बेभिचारु करत हवै।

[10]चेलन ने उनते कहिन, यदि मनइ का मेहरिया के साथ अइसन सम्बन्ध हवै, तब बियाह करब ठीक नाही है।

[11]उइ उनते कहिन कि सब ई बात नहीं मान सकत केवल ऊ जिनका इउ दान दीन गवा है। [12]काहे ते कछु नपुंसक अइसन हवै जउन महतारी ते अइसन जनम लिहिन अउर कुछ नामर्द अइसन हवैं। जिनका मनइ नामर्द बनाय दिहिन अउर कुछ नामर्द एइसन हवै जउन सरग की राज तई अपनेन आपै का नामर्द बनाय लिहिन जउन यहिका मानत है वहै मानै।

यीसु अउर छोटे बालकन

[13]तब लोग लरिकन का वहिके नेरे लाये कि ऊ उन पै आपन हाथ रखै अउर पराथना करै; मुला चेलन उनका फटकारिन।

[14]यीसु कहिन, लरिकन का नेरे आवय दियौ अउर मना न करेब काहे ते सरग का राज अइसनै का आही। [15]अउर उनका ऊ उनपै हाथ रखिकै हुवां ते चला गवा।

धनी मनइ

[16]अउर देखौ एक मनइ नेरे आयकै वहिते कहिसि हे गुरु हम कउन सा अच्छा काम करीं कि अनन्त जीवन पाई।

[17]ऊ वहिते कहिसि, तुम हमते भलाई के बारे मां काहे पूछत हव, अच्छा तो एकई हवै, मुला जदि तुम जीवन मां घुसा चाहत हव तव आइन केर माना करौ।

[18]ऊ वहिते कहिसि, कउन सी आग्या, यीसु कहिन ई कि हतिया न कइयो, बेभिचार न करेव, चोरी न करेव, झूठी गवाही न दियेव। [19]अपने बाप अउर अपनी महतारी का आदर करव, अउर आपनि पड़ासिन ते अपने समान परेम रखेव।

[20]ऊ जवान वहिते कहिस ई सब तौ मानेन हैं।

अब हमका कउन कमी हवै।

[21]यीसु वहिते कहिन यदि तूं सिद्ध होवे का चाहत हव तब जाव, आपन समान बेचि कई कंगालन का दै देव, अउर तुमका सरग मा धन मिलि हैं। अउर आइके हमरे पाछे होइलिएउ।

[22]मुला ऊ जवान ई बात सुनिकै उदास होइके चला गवा। काहे ते उई बहुतै धनी रहै।

[23]तब यीसु चेलन ते कहिन हम तुमते सांचु कहित हैं कि धनवान केर सरग के राज मां घुसब कठिन होई। [24]फिर तुमते कहित हैं कि परमेसुर के राज में धनवान के घुसब ते ऊँट का सुई के छेद ते निकरि जाब आसान है।

[25]यू सुनिकै चेलौ बहुतै चकित हुइ कै कहिन केकर उद्धार हुइ सकत है।

[26]यीसु वहिके ओर देखि कै कहिन मनइन ते तौ ई होइ नाहीं सकत है, मुला परमेसुर ते सबै कछु होई सकत हैं।

[27]यहि पर पतरस वहिते कहिन कि देखव, हम तव सब कुछ छाड़ि के तुम्हरे पाछे हुइ लिहिन है। तब हमका का मिली?

[28]यीसु उनते कहिन, हम तुमते सांची कहित हैं कि नई पैदाइस ते जब मनइ का लरिका आपन महिमा केर सिंहासन पर बैठि तब तुमहू जउन हमरे पाछे होइ लिहे बारह सिहांसनौं पै बैठि कै इसराएल के बारह गोतरन का नियावु करिहैं। [29]अउर जो कोउे घर भाई या बहिन या बाप या महतारी या लरिकन या खेतन का हमरे नाम की खातिर छोड़ि दिहिन वहिका सौ गुना मिली। अउर वहि अनन्त जीवन का अधिकारी होई। [30]मुला बहुतेरे जउन पहिले हवैं, पाछे होई हैं। अउर जउन पाछे हवैं, पहिले हुइहैं।

अंगूर केर बारी केर मजूरन केर मिसाल

20 सरग का राज गृहस्थ के समान हवै। जउन सबेरे निकरा कि अपने अंगूर केर बारी मां मजूरन का लगाइवे। [2]अउर ऊ मजूरन ते याक दीनार के रोज पैतेय करिके उनका अपनी दाख केर बारी मां पठै दिहिस।

[3]फिर पहर याक दिन चढ़ै, निकरि कै अउर दुसरन का बाजार मा खड़े देखिकें। [4]उनते कहिसि तुमहू दाख की बारी मा जाव, अउर जउन ठीक है तुमका देवै सो उनहूं गये। [5]फिर ऊ दूसरे अउर तिसरे पहर के करीब निकरि के वैसेइ किहिस। [6]अउर एक घंटा दिन रहे फिर निकरि कै, अउरन का खड़ा पाइस अउर उनहूं ते कहिस तुम काहे हियां दिन भर बेकार खड़े रहेउ? उइ उनसे कहिन यहि की तई कि कउनव मजूरी पै नाहीं लगाइस।

[7]ऊ उनते कहिस, तुमता दाख केर बारी मा जाब।

[8]सांझ का दाख केर बारी के मालिक अपने भंडारी ते कहिस मजूरन का बुलाय के पाछे ते लइके पहिले तक मजूरी दै देव।

[9]सो जब सब आये जउन घंटा भर दिन रहे लगाये गये रहै तउन उनहुन एक दीनार मिला। [10]जउन पहिले ते आये रहै उइ यू समझिन कि हमका ज्यादा मिली मुला वनहुन का एकै दीनार मिला। [11]जब मिला तब उइ गरहस्थ पै कुड़कुड़ाइ कै कहै लागि। [12]कि जउन पाछे आये अउर एकै घंटा काम किहिन अउर तुमने उनका हमरे बराबर दिहेव अउर जउन दिन भर भार उठाइन अउर घाम सहिन?

[13]ऊ उइमा ते एक जवाबु दिहिस कि हे मित्र हम तुमते कुछ अनियाउ तो नाही किहेन का तुम हमते एक दीनार नाही ठहरावा। [14]जउन तुम्हार हय उठाय लियव अउर चले जाव हमारि मन की जितना तुमका उतनै हम पाछे वाले का देई। [15]का ठीक नाहीं है कि हम आपन माल ते जउन चाहीं तउन करी? का तुम हमरे भलै हुवै वदे खराब नजर ते देखत हौ?

[16]यही तरीके ते जउन पाछे है उइ पहिले होई हैं। अउर जउन पहिलें हवैं उइ पाछे हुइहैं।

यीसु केर मरन खातिर भबिसवानी

[17]यीसु येरुसलम जात समय बारह चेलन का एकान्त मा लै गवा, अउर रास्ता मां उनते कहै लागि। [18]कि देखौ, हम येरुसलम का जाइत है अउर मनइ का लरिका महायाजकन अउर सास्त्रीन के हाथ पकरुवावा जाई अउर उइ वहिका मारै के काबिल बतईहैं। [19]अउर वहिका दुसर जातिन केर हाथन सौपिहैं कि उइ वहिका ठट्ठन मा उड़ावैं, अउर कोड़ा मारैं, अउर सूली पे चढ़ावैं, अउर फिर तीन दिन बाद जिन्दा कीन जाई।

माई केर पराथना

[20]तब जबदी के लरिका की महतारी ने आपनि लरिकनि का साथे लइकै, ऊ के नेरे आय कै परनामु किहिस, अउर वहिते कछु मांगय लागि।

[21]ऊ वहिते कहिसि, तू का चाहत हवै ऊ वहिते कहिस यू कहब कि हमार ई दुई लरिका तुम्हरे राज मां एक तुम्हरे दाहिने बैठय अउर एक तुम्हरे बांये बैठय।

[22]यीसु कहिन तुम नाहीं जानत हौ कि का मांगत

हौ, जउन कटोरा हमरे पीबै तई है का तुम पी सकत हव, वै कहिन पी सकत हैं।

23उइ उनते कहिन, तुम हमार कटोरा तौ पियौ, मुला अपने दहिने, बांये कोई का बैठायव का हमार काम न आय, मुला इनके खातिर हमार बाप केर ओर ते तैयार कीन गवा, उनहिन खातिर हवै।

24यू सुनिकें दसौ चेला उन दूनौ भाइन पै गुस्सा हुइगे। 25यीसु उनका नेरे बुलायकै कहिन तुम जानत हव कि दूसरे जातिन केर हाकिम उन पर परभुता करत हवैं अउर जउन बड़े हवैं उन पर अधिकार जमावत हैं। 26मुला तुम मा अइसन न होई, मुला जउन तुममां बड़ा बनै का चाही ऊ तुम्हार सेवक बनी। 27अउर जउन तुममा परधान बना चाही ऊ तुम्हार दास बनी। 28अइसन कि मनइ का लरिका ऊ यहिकी तइ नाई आवा है कि वहिकी सेवा टहल कीन जाई। मुला यहि ते आवा हवै कि आय सेवा टहल करौ; अउर बहुतन की छुड़ौती तईं आपन जान दै देव।

दो अंधन का आंख खोलब

29जब उई यरीहों ते निकरत रहै तब एक बड़ी भीड़ वहिके पाछै लागिगै। 30अउर देखव, दुइ आंधर जउन सड़क किनारे बइठे रहे यू सुनिकैं कि यीसु जात हवै। पुकारिकें कहै लागि कि हे परभु दाऊद केर लरिका हम पै दया करौ।

31लोग उनका फटकारिन कि कि चुप रहौ, मुला उइ अउरो चिल्लाय के कहिन के परभु दाऊद केर लरिका हम पे दया करौ।

32तब यीसु ठाड़े उइकै बुलाइन अउर कहिन।

33तुम का चाहत हव, कि हम तुहरी खातिर करी। वै उहिते कहिन, हे परभु, हमरी आंखै हुई जाय।

34यीसु तरस खाइकै उनकी आँखिन का छुइन अउर उइ तुरन्तै देखै लागै अउर उनहिन के पाछे हुइ लिहिन।

यीसु केर यरुसलेम मा परवेस

21 जब उई यरुसलेम के नेरे पहुंच गये, अउर जैतून पहाड़ पै बैतफगे के नेरे आवा तब यीसु ने दुइ चेलन केर इव कहिके पठइन। 2कि अपने सामने वाले गांव में जाव, अउर हुवां पहुंचति याक गदही बांधी है अउर उहिके साथे बच्चा तुमका मिली। अउर वहिका खोलिके हमरे पास ले आवो। 3यदि तुमते कोऊ कछु कहै, तो कहेव कि परभु को इनका परयोजन हवै, तब उइ तुरन्तै पठइ देई।

4यूं यहि के तई हुई कि जउन बचन भबिसवकता दवारा कहा गवा रहै ऊ पूरा हुवै।

5कि सिय्योन केर बेटी ते कहौ,
कि देखौ, तुम्हार राजा तुमरे पास आवत हैं।
ऊ नम्र हवैं,
अउर गदहा पै बैठि हवैं,
बरन लादू के बच्चा पै!

6चेलन जाइके, जैसेन यीसु कहिन रहे, वैइसनै किहिन। 7अउर गदही अउर बच्चा का लाइके वहिपे आपनि कपड़ा डारेन, अउर ऊ वहि पै बैठि गवा। 8अउर बहुत लोगन आपनि कपड़ा रस्ता मा बिछाय दिहिन, अउर—अउर लोगन ने बिरवा केर डारि काटि के रस्ता मा बिछाय दिहिन। 9अउर जउन भीड़ आगे आगे जात, अउर पाछे—पाछे आवत रहे। ऊ गोहराय गोहराय के कहत रहै। दाऊद केर लरिका का होसन्ना, धन्य हवै ऊ जउन परभु के नाव ते आवत हवैं, आकास में होसन्ना।

10जब ऊ यरुसलम मां घुसा तब सगरे, नगर मा हल्ला होई गवा। अउर लोग कहै लागि, यू कउन है?

11लोग कहिन ई गलील केर नासरत का यीसु आय।

मंदिर मां परवेस

12यीसु परमेसुर के मंदिर में जाइके, उइ सबका जउन मंदिर मां लेन देन करत रहै, निकारि दिहिन। सर्राफन के पीढ़े अउर कबूतर के बेचिवे बालेन केर चौकिन उलटि दिहिस। 13अउर उनते कहिसि लिखा हवै कि हमार घर पराथना क घर कहा जाई। अउर तुम यहिका डाकुन केर खोह बनावत हव।

14अउर आंधर, लंगड़ा मंदिर मां वहिके पास आये अउर ऊ उहिका ठीक किहिस। 15मुला जब महायाजक अउर सास्त्रीन ने ई अद्‌भुत कामन क देखिन जउन ऊ किहिस रहे। अउर लरिकन का मंदिर मां दाऊद केर लरिका केर होसन्ना गोहरावत देखिन, तब गुस्सा होइके उहिते कहिन का तुम सुनत हौ कि ई का कहत हैं?

16यीसु कहिन, हां; का तुम ई कबौ नाहीं पढ़यौ कि लरिकन अउर दूध पीवत बच्चन के मुंहि ते तुमने स्तुति सिद्ध करायी।

17तब ऊ उनका छोड़िकै नगर के बाहर बैतनिय्याह का गवा, अउर हुवैं राति बिताइस।

बिना फलन केर अंजीर बिरवा

18भोर मां जब ऊ नगर का लौटत रहै, तब वहिके

भूंख लागि। 19अउर अंजीर का एक बिरवा सड़क के किनारे देखिके ऊ वहिके नेरे गवा, अउर पत्तन का छोड़ि कै उहमा अउर कछु नाहिन पाइस। तब ऊ कहिस कि अब तुम कबौ ना फरिहौ। अउर अंजीर का बिरवा तुरन्तै सुखाय गवा।

20ई देखि कै चेले ने अचरज मा पड़िगै कि यू अंजीर का बिरवा काहे तुरन्तै झुराय गवा?

21यीसु उनते कहिन कि हम तुमते सांच कहित है, यदि तुम बिसवासु रखौ, अउर संका न करेव तब न ई करिहौ, जउन अंजीर के बिरवा के साथे कीन गवा है; मुला यदि ई पहाड़ ते कहिहौ कि जाव उखरि जाव, अउर समुंदर मा जाइ गिरौ, तब ई हुइ जाई। 22अउर जउन कुछ पराथना मां बिसवासु मंगिहौ, ऊ सबै कुछ मिली।

यीसु केर अधिकारिन कै परसन

23ऊ मंदिर मां जाइके उपदेसु देय लाग। तबै महायाजकन अउर लोगन के पुरनियन वहिके पास आइकें पूछे लागि कि ई काम केहिका अधिकार ते करत हव, अउर तुमका यू अधिकार को दीन?

24यीसु उनते कहिन, हम तुमते एक बात पूछित हैं, यदि ऊ वहिका बताव तौ हमहूं बताइब कि ई काम हम कहिके अधिकार ते करित हैं। 25यहुन्ना केर बपतिसमा कहां ते रहै? सरग की तरफ ते या मनइ केर तरफ ते रहे। तब उइ आपस मां लड़ै लागि कि यदि हम कहित कि सरग केर तरफ ते, तब उइ हमते कही कि फिर तुम उइकी बिसवास काहे नाहीं कियउ? 26अउर यदि कहैं कि मनइ केर तरफ ते तव हमका भीड़ ते डर है; काहे ते उइ सब यहुन्ना का भबिसवकता जानत हैं।

27तब उइ बतावै लागि कि हम नाई जानित है, तब ऊ कहै लाग कि हमहूं ना तुमका बतइवैं कि ई काम हम केहिके अधिकार ते करित हैं।

दुइ बेटवन केर उदाहरन

28तुम का समझत हौ एक मनइ के दुई लरिका रहै। ऊ पहिले के पास जाय कै कहिस हे बचवा आजु दाख की बारी मा काम करौ।

29उइ कहिस हम ना जइवै मगर बाद मा पछपाय केर गवा।

30फिर ऊ दूसरे के पास जायकै वइसे कहिस ऊ कहिस हम जाइत हैं मुला गवा नाहीं।

31ई दुनौ मइहां कउन बाप केर इच्छा पूरी किहिस उइ कहिन पहले ते यीसु कहिन, हम तुमते सांचु कहित है चुंगी लैबेबाले अउर वैसया तुमते पहिले ते परमेसुर के राज मा जात है। 32काहे ते यहुन्ना धरम के मारग ते तोहरे पास आवा अउर तुम वहिका बिसबास नाहीं करेव, मुला चुंगी लैवेबाले अउर वैस्या वहिकी बिसवास किहिन, अउर तुम ई देखत भये पाछे नाहीं पछताने अउर वहिकी बिसवासु करि लेतिउ।

अंगूरे केर बगिया क मिसाल

33एक अउर मिसाल सुनौ एकु गरहस्थ रहै, ऊ अंगूर कै बारि लगाइसि अउर वहिके चरिउ तरफ बाड़ा वांचिसि अउर वाही मां रस का गड्ढा खोदेसि, अउर गुम्मद बनाइस अउर किसानन का वहिका ठेका दै के परदेसु चला गवा। 34जब फल देय कै समै निकट आय गय तब ऊ अपने दासन का फल लियै के तई किसानन के पास भेजौ।

35मुला किसान वहिके दासन का पकरि कै कउनेव मारेनए कउनेव कहियां मार डरिन अउर कउनेव का पथरवाह किहिन। 36फिर ऊ अउर दासन क पठाइस जउन पहिले ते गिन्ती मा ज्यादा रहै उइ अहूं के बइसे किहिन। 37आखिर माऊ अपने लरिका का उनके पास पठइस यू कहिकि उइ हमरे लरिका का सतकारि करि है।

38मुला उइ किसान वहिके लरिका का देखि कै आपास मा कहिन यू तो वहिका वारिस है आउ ई का मार डारी। अउर वहिकी मीरास लै लेई। 39अउर उइ वहिके लरिका का पकरि कै दाख की बारी ते बाहरे निकरि कै मारि डारिन।

40यहिते जब दाख केर बारी का मालिक आई तब उइ किसानन के साथे का करी?

41वे उइते कहिस कि ऊ उइ दुस्ट किसानन का बुरी तरीके ते मारि है अउर दाख केर बारी कौ ठेका अउर किसान क दै देई। जउन समय पै फल दीन करिहैं।

42यीसु कहिन, का तुम कबऊ पवित्तर सास्त्र मां ई नाही पढ़ेव कि जउन पाथर कहयां थवई खराब समझिन रहै, वहै पाथर कोने पर लागि गवा।

43यू परभु केर ओर ते भवा, अउर हमका देखै में अद्भुद् लागि यही लइ हम तुमते कहित है परमेसुर का राज तुमते लै लीन जाई अउर ऊ जउन वहिका फल लाई वहिका दीन जाई। 44जउन ई पाथर पै गिरी, ऊ चकनाचूर होय जाई, अउर ई पै ऊ गिरी वहिका पीस डारी।

45महायाजक अउर फरीसी वहिके मिसाल सुनिके

समझिगे कि ऊ हमारे बारे मा कहत है। 46अउर ऊ वहिका पकरै का चाहिन, मुला लोगन ते डेराय गये। काहे उइ वहिका भबिसवकता जानत रहै।

बियाहे केर भोजु

22 यही पर यीसु फिर उदाहरन कहै लाग 2सरग का राज उइ राजा के समान है, जउन अपने लरिका केर बियाह किहिस। 3अउर उइ अपने दासन का भेजिस कि बियाहु के दावत में नेवताहारियन क पठाइस; कि रिस्तेदारन का खाना खाय के तई बुलाय लउ मुला उइ आये नाही।

4फिर उइ अपने दासन का यू कहिकै पठाइस कि नेवताहारिन ते कहौ कि खाना तैय्यार होय गवा है। अउर हमार अउर पाले भवा जानवर मारे गये हैं, अउर सब कछु तैय्यार है, चलौ बियाह का खाना खाव।

5मुला वहिका परवाह न करिकै चला गये; कउनेव अपने खेत का, कउनेव अपने बेयोपार का। 6अउर जउन बचे रहै वहिके दासन का पकरि कै बेइज्जती किहिन अउर मारि डारिन। 7राजा गुस्सा करिके आपनि सेना भेजि कै उनका का मरवाय डाररिस अउर उनके नगर का फुंकवाय दिहिस।

8तब ऊ अपने दासन ते कहिस कि खाना तैयार है, मुला खाय वाले ठीक नाहीं हवै। 9यहिते चौराहन पर जाव, अउर जेतने लोग मिलै, सबका बियाहे के खाना खाय के बोलाई लाव। 10सो उइ दास सड़क पै जायकें बुरे भले जेतने मिले सबका यकट्ठा किहिन अउर बियाह का घर खायेव वालेन ते भरि गवा।

11जब राजा खाये वालेन का देखै आवा तब ऊ देखिस एक मनइ का जउन बियाहे का कपड़ा नाहीं पहिरे रहै। 12उइ उहिते पूछी, हे मित्र; तू बियाह का कपड़ा पहिरें बिना हियां काहे आयेउ, वहिका मुंह बन्द है गवा।

13तब राजा कहिस हाथ पांव बांधि कै बाहरै अंधियारे मा डारि दियउ हुआं रोवै अउर दांत पीसै का होई।

14काहे ते बुलावे वाले बहुत अउर चुने हुए थोरेन हैं।

कर देय केर बारे मा

15तब फरीसीन ने जायकें आपस मा विचार किहिन कि यहिका बातन मां वइका फंसावा जाय। 16सो उइ अपने चेलन का हेरोदियन के साथ वहिके पास ई कहिवे क भेजौ, कि हे गुरु; हम जानत हैं, कि तू सच्चा है, अउर परमेसुर कौ मारग सच्चाई ते सिखाबत है; अउर काऊ केर परबाहु नाहीं करै, काहे ते तू मनइन का मुंह देखिकें बात नाहीं करै। 17यहिते हमका बताउ तुम का समझत हौ? कैसर कर देबै ठीक है कि नाहीं।

18यीसु उनकेर दुस्टता देखिकैं कहिन; हे धोखेबाजो हमका काहे परखत हव? 19कर का एक सिक्का हमका देयाब तब वे वहिके एक दीनार लै आये। 20उइ उन्ते पूछिस, ई मूर्ति अउर नाव केहिका आये?

21उइ कहिन, कैसर का; तब ऊ उन्ते कहिन, जउन कैसर का है, ऊ कैसर का, अउर जउन परमेसुर का है, ऊ परमेसुर क दियव।

22ई सुनिकें उनन्में अचरज मा पड़ि गये, अउर वहिका छोड़ि कै चला गवा।

सदुकियन केर जवाबु

23वही दिन सदूकी जउन कहत हैं कि मरे हुअन का फिरते उत्थान हुइयै नाई, वहिके पास आये, अउर उहिते पूछिन। 24कि हे गुरु, मूसा कहिन रहै कि यदि कोई बिना लरिका मर जाय तब उहिका भाई वहिकी मेहरिया ते बियाह करिकै आपन भाई केर बंस पैदा करे। 25अब हमरे हियां सात भाई रहै, पहिला बियाह करि के मरि गवा, अउर लरिका न हुअय के कारन अपनी मेहरिया आपन भाई खातिर छोड़ि गवा। 26जाई तिना ते दूसरे अउर तीसरे ने किया अउर सातों तक यहै भवा। 27सबके बाद वह मेहरिया मरि गई। 28सो जी उठै पै, ऊ उन सातन में ते, कउन केर मेहरिया होई, काहे ते ऊ सबकी मेहरिया बनि गय।

29यीसु कहिन कि तुम पवित्तर सास्त्र अउर परमेसुर केर ताकत नाहीं जानत हौ यहै कारन तुम भूलि मां परि गयो। 30काहे ते जी उठिवे पै बियाह सादी न हुईहैं। मुला सरग के परमेसुर कै दूतन केर नांई हंइ हैं। 31मुला मरे हुए के जी उठय के बारे मा नाई पढ़ेव। जउन परमेसुर तुमते ते कहिन रहै। 32कि हम अबराम केर परमेसुर, अउर इसहाक केर परमेसुर, अउर याकूब केर परमेसुर आन। ऊ तौ मरेन का नाई मुला जिन्दा लोगन का परमेसुर है।

33ई सुनिके लोग वहिकै उपदेस ते चकित होइगे।

यीसु केर महानतम आग्या

34तब फरीसीन नें सुनी, कि उइ सदूकीन का मुंह बन्द करि दिहिस तो उइ यकट्ठा भये। 35अउर उइमा ते एक बेवस्था जाने वाला परखै खातिर वहिते

पूछिन।
[36]हे गुरु वेयवस्था मा कउन सी आसा बड़ी हुवै।
[37]उइ कहिन तू परमेसुर आपन परभु ते अपने मन
सारे अउर परान अउर सारे बुद्धि के साथे पिरेम रखौ।
[38]बड़ी अउर खास आसा तो यह है। [39]अउर वहिके
समान या दुसरि है कि तू आपन पड़ोसी ते अपने
समान परेम राखौ।
[40]यई हुई असा सारी वेयवस्था जाने वाला अउर
भबिसवानी वालेन का आधार है।

यीसु दाउद केर लरिका

[41]जब फरीसी यकट्ठे रहै, तब यीसु उनते पूछिन।
[42]कि मसीह के बारे मा तुमका समझत ऊ कउन
केर लरिका आय। उई कहिन दाऊद केर।
[43]उइ उनते पूछिस, तब दाऊद आतमा मां होहिकै
वहिका परभु काहे कहित है?
[44]कि परभु कहिन हमरे परभु से दाहिने; बैठो,
जब तक हम तुमरे दुसमनन को तुमरे पावन के
नीचे न दबाय देई।
[45]भला, जब दाऊद उइका परभु कहत है, तब ऊ
वहिका लरिका कैसे भवा। [46]वहिका यू जवाबु मां
कि कउनो कुछ नाहीं कहि पावा मुला उइ दिन ते
कउनौ उहिते फिर कुछ पूछै कै हिम्मत नाहीं किहिस।

सात अफसोस

23 तब यीसु ने भीड़ ते अउर अपने चेलन ते
कहिन। [2]सास्त्री अउर फरीसी मूसा केर गद्दी
पै बैइठे रहैं। [3]यह की तई जउन उइ कहै वहै करौ,
अउर मानौ मुला उनके अइसन काम न करेव, काहे
ते उइ कहत तौ हैं मुला करत नाहीं है। [4]उइ एक
अइसन बोझ जउन उठाइब कठिन हवै, बांधिकै मनइ
के कांधे पर रक्खत है मुला वहिका अपनी अंगुरी ते
सरकावा भी नाई चाहत है।
[5]उइ अपन सब काम लोगन क दिखाई के तई करत
हैं; उइ अपने तबीज चौड़े करत हैं, अउर अपन कपड़ा
केर केर बढ़ावत हैं। [6]जेबनारों में खास खास जगह
सभा मां खास आसन। [7]अउर बजारन का नमस्कार
अउर मनइन मा रब्बी कहाउब पसन्द करत हैं।
[8]मुला तुम रब्बी न कहवायेन, काहे ते तुमरौ एकै
गुरु है अउर तुम सब भाई आव। [9]अउर तुम धरती
पै काऊ कं अपन बापू न कहेव, काहे ते तुमार एकई
बाप सरग मां है। [10]अउर मालिक भी न कहुवायेव,
काहे ते तुम्हार एकै मालिक है मसीह। [11]जौन तुममा
बड़ा हुवै वहै तुमार सेवक बनै। [12]जउन अपने आप
का बड़ौ बनइ वहिका छोट कीन जाई। जउन अपने
आपका छोट बनइ वहिका बड़ा कीन जाई
[13]हे कपटी सास्त्रीन अउर फरीसीन तुम पर हाय!
तुम मनइन के खिलाफ मां सरग के राज कौ दरवाजा
बंद करत हव, न तौ तुमहिन वहिके अन्दर जात है।
[14]अउर जाय वालेन का जाय नाहीं देत हौ।
[15]हे कपटी सास्त्रीयो अउर फरीसीन! तुम पै हाय!
तुम एक जनै का अपने मत मां लावै खातिर, सगरे
जल अउर थल मा फिरत हौ अउर ऊ तुमरे मत मा
आय जात है तब वहिका अपने ते फिरावत हौ।
[16]हे अन्धे अगुवो! तुम पर हाय यदि कौनु मंदिर
केर कसम खाए तौ कछु नाहीं, अगर यदि कोउ मंदिर
के सोने केर कसम खाय तौ ऊ वहिते बंधि जाई।
[17]हे भूखों अउर अंधो, कउन बड़ा है सोना या ऊ
मंदिर जेहिते सोना पवित्तर होत है। [18]फिर कहत है
कि यदि कोई वेदी केर कसम खाये तौ कछु नाई
मुला जउन भेंट है वहिकी कसम खाये तौ ऊ वहिते
बंधि जाई। [19]हे अन्धों कौन बड़ा है बेदी या भेंट
जदने भेंटि पवित्तर हुवत है। [20]यही तई जउन बेदी
केर कसम खात है ऊ बेदी की अउर जउन वहि पर
है सक्कै कसम खात है। [21]अउर जउन मंदिर केर
कसम खात है, ऊ वहिकी, अउर वहिमा रहे वाले
कै सबकै कसम हुइ जात है। [22]अउर जउन सरग केर
कसम खात है, ऊ परमेसुर के सिंहासन केर अउर
वहि पर बैइठे वाले केर ऊ कसम खात हैं।
[23]हे कपटी सास्त्रीयों अउर फरीसीयों, तुम पै हाय!
तुम पोदीना, सौंफ अउर जीरे केर दसवां हिस्सा
दियत है, मुला तुमने बेवस्था केर गम्भीर बातन की
अरथात् नियाउ अउर दया, अउर बिसबासु का छोड़ि
दिहेव है कि इनहूं का करतै रहतू अउर उनहूं का न
छोड़तू। [24]हे अन्धे अगुवो तुम मूसा का तौ छानि
डारत हौ, मुला ऊँट का खाय जात हौ।
[25]हे कपटी सास्त्रीयों, अउर फरीसीयों, तुम पै
हाय! तुम कटोरा अउर थरिया का ऊपर–ऊपर तौ
मांजत हौ, मुला भीतर गन्दगी अउर लोलुपता ते भरे
हौ। [26]हे अन्धे फरीसी, पहिले कटोरे का भीतर ते
मांजौ तब ऊ बाहर ते ऊ साफ रही।
[27]हे कपटी सास्त्रीयो, अउर फरीसीयो, तुम पै
हाय; तुम चूना पुती भयी कबरन केर समान हौ,
जउन ऊपर ते अच्छी दिखाई दियत है मुला भीतर
मुर्दन केर हड्डी अउर सबै मेर केर गन्दी चीजों ते भरा
हवै। [28]यही मेर ते तुमऊ मनइन क ऊपर ते धरमी
दिखाई देत हौ, मुला भीतर कपट अउर अधरम ते
भरे हौ।

29हे कपटी, सास्त्रीयों (नबी लोगन) अउर फरीसियों,
तुम पर हाय! तुम भबिसवकतन केर कबरैं संवारत हौ
अउर धरमिन केर कबरन बनावत हौ। 30अउर कहत
हौ कि यदि हम अपने बाप दादन के जमाने मा हुइत
तौ भबिसवकतन केर हतिया मां हम साझी ना होइत।
31यहिते तौ तुम अपने आपै गवाही दियत हौ कि हम
भबिसवकतन का मारै वालेन केर सन्तान आव।
32सो तुम आपन बाप दादन केर पाप का घड़ा भरि
देव।

33हे सांपौं, हे करैतों, के बच्चों, तुम नरक की
सजा ते काहे बचिहौ। 34यहि ते देखौ, हम तुम्हरे
पास भबिसवकतन बन अउर बुद्धिमान अउर सास्त्रिन
का पठइत हैं अउर तुम उनमा ते कतनेन का
मरिहौ। अउर सूली पर चढ़इहौ। अउर कतनेन का
अपनी सभान मां कोड़ा मारिहौ। अउर एक नगर
ते दूसरे नगर मा भागत फिरिहौ। 35जइसे धरमी
हाबील ते लइकै विरिक्वाह के लरिका जकरयाह
तक जिहका तुम मंदिर अउर बेदी केर बीच मां
मार डारौ, जतने धरमिन का लोहू धरती पै बहावा
गवा है ऊ सब तुमरी खोपड़ी पै चढ़ी। 36हम
तुमते सांचु कहित है ई सब बातें इस समय केर
लोगन पै आय परिहैं।

37हे येरुसलम, तुम जउन भबिसवकता का मारि
डारेव हौ। अउर जउन तुम्हरे पास पठयेन गये है
उनका पथरवाह करत हौ कतनी बार चाहेन, कि
जइसे मुरगी अपने बच्चन का अपने पंखन के नीचे
बैठावत है वइसे तुमरे लरिकन का यकट्ठे कर लेई
मुला तुम नाहीं चाहेव। 38देखौ तुमार घर तुमरे
खातिर उजाड़ छाड़ि दीन जात है। 39काहे ते हम
तुमते कहित हवै कि अब ते जब तक तुम न कहिहौ
कि धन्य हैं ऊ जउन परभु के नाव ते आवत है; तब
तक तुम हमका फिर न देखि पइहौ।

आखिर समय मा युगअन्त केर निसान

24 जब यीसु मंदिर ते निकरिकै जात रहै, तो
वहिके चेले वहिके मंदिर कै रचना दिखाबै
खातिर वहिके पास आये। 2उइ उनते कहिस का तुम
ई सब नाई देखत हौ हम तुमते सांचु कहित है हियां
पाथर पै पाथर न छूटिहैं जउन कि गिरावा नाहीं
जायगौ।

3अउर जब ऊ जैतून केर पहाड़ पै बैइठा रहै तौ
चेलन ने वहिके पास आयके कहिन, हमते कहौ कि
ई बातें कब हुइहैं। अउर तुमरे आबै का अउर संसार
कै नासु हुवै केर कउन निसान होई।

4यीसु उनते कहिन हुसियार रहेव केउ तुमका
भटकावै न पावै। 5काहे ते बहुत ते ऐसेऊ हुइहैं जउन
हमरे नाव ते आयकें कहिहैं कि हम मसीह हन, अउर
बहुतन का भरमइहैं। 6तुम झगड़ा अउर झगड़न केर
चरचा सुनिहौ देखेव घबरायेव न काहे ते ई होइ हैं
जरुर मुला उई समय आखिरी न हुई। 7काहे ते जाति
पर जाति, अउर राज पै राज चढ़ाई करी अउर जगह–
जगह अकाल परी, अउर भूईडोल (भूचाल) होई। 8ई
सब बातें कस्टन केर सुरूआत होई।

9तब उइ कस्ट दियय केर तई तुमका पकरिहैं, अउर
तुमका मारि डारि हैं अउर हमरे नाव के कारन सब
जातिन केर लोग तुमते दुसमनी रखि हैं। 10तब बहुतेरे
ठोकर खइ हैं अउर एक दूसरे का पकरिवइहैं अउर
एक दूसरे ते दुसमनी रखि हैं। 11अउर बहुत झूठे
भबिसवकता उठि ठाड़े होइहैं अउर बहुतन का भरमइ
हैं। 12अउर अधरम के बढ़े ते बहुतन कै परेम ठंडा
हुई जाई। 13मुला जउन आखिरी तक धीरज धरै रही
वहिका उद्धार होई। 14अउर राज का ई सुसमाचार
सगरे संसार मां परचार कीन जाई सब जातिन पे
गवाही हुवय तब आखीर आई।

15''सो जब तुम उइ उजाड़यवाली घिरनित सामान''
का जेहिकी चरचा दानियेल किहिस रहा पवित्तर
जगह मां ठाड़ी हुवै देखै। 16तबु जउन यहूदिया मां
उइ पहाड़न पै भागि जायं। 17जउन कोठरी पै हुवै उइ
अपने घर ते सामान लावै का न उतरें। 18अउर जउन
खेत मां उइ अपन कपड़ा लइके पाछे न लउटे। 19उइ
दिनन मां जउन गरभवती अउर दूध पियवती हुवै,
उनके लिये हाय, हाय। 20अउर पराथना कीन करै कि
तुंहका जाड़े मा सबत के दिनन मां भागै का न परै।
21काहे ते उइ समय अइस भारी संकट परी जइसा
दुनियां सुरु भये ते अबही तक नाई परा है अउर न
कबहूँ होई। 22अउर यदि उई दिन घटावा न जाई तौ
कउनौ परानी नाई बच पावत, मुला चुने भयेन के
कारन उइ दिन कम कीन जाई। 23उइ समय का
कउनो तुमते कहै कि देखव कि मसीह हियां हवै या
हुआं है, तब मानेव या। 24काहे ते झूठे मसीह अउर
झूठे भबिसवकता खड़े हुंइहैं अउर बड़ा चीन्ह, अउर
अद्भुद काम दिखइहैं कि यदि होइ सका तव चुनेन
हुवन का भी भरमाय दिहैं। 25देखौ, हम तुमते ई सब
पहिलेन तेइ कहि देय रही।

26यहिते यदि उइ तुमते कहय कि देखौ अई जंगल
मां है, तब बाहर न निकरि जायव, देखौ ऊ कोठरी
मां है, तब मानेव न। 27काहे ते जइसन बिजरी पूरब
ते निकरिकै पच्छिम तक चमकत जात बैसेई मनइ

केर लरिका का आवय का होई। [28]जौनी जगह लास हुई हुवयं गिद्ध यकट्ठे हुइहैं।

[29]उन दिनन क दुख के बाद तुरन्तय सूरज अंधेरे मा हुई जाई। अउर चंदरमा केर उजेर खतम होइ जाय। अउर नखत आकास ते गिरि परिहैं, अउर आकास केर सक्तियां हिलाई जइहैं।

[30]तब मनइ केर लरिका का चिन्ह आकास मा दिखाई परी अउर धरती के लोगन छाती पीटि हैं अउर मनइ के लरिका का बड़ी महिमा अउर वैभव के साथे आकास के बदरन पै आवत देखिहैं। [31]अउर ऊ तुरही के बड़े सबद के साथे, अपने दूतन का पठाई अउर उइ आकास के परभु ते उइ छोर तक अपने चुने हुवन का यकट्ठा करि हैं।

[32]अंजीर के बिरवा ते ई मिसाल सीखौ, जब अंजीर केर डार कोमल हुइ जात है, अउर पतवा निकरै लागत है। तब तुम मान लियत हव कि गरमी काल निकट है। [33]जाई रीति ते जब तुम इन बातन क देखौ, तौ जान ल्यो कि ऊ निकट है, वरन द्वार पैई है। [34]हम तुमते सांची कहूं हूँ, कि जब तक ई सब उहितें पूरी नाहीं होयलें, तब तक, ई पीढ़ी समाप्त नांय होय। [35]आकास अउर धरती टरि जइहैं, पर मुला हमारु कहा न टरी।

अकसमिक दिनु व घरी

[36]उई घरी के बारे मा कोऊ नाहीं जानत है। सरग केर दूत न लरिका मुला केवल बाप ही जानत है। [37]जइसन नूह के दिन रहै वइसै मनइ के लरिका का आवै का भी होई। [38]काहे ते जइसन बाढ़ के दिनन मा जउन दिन तक नूह जहाज पर नाहीं चढ़ा, वतने दिन तक लोग खात–पियत रहे। अउर उनका वियाह सादी होत रहै। [39]अउर जब तक बाढ़ उनका बहाय नाहीं लइग तब तक उनका कुछू मालूम नई परावइसेन मनइ कै लरिका आवै का परी। [40]ऊ बखत दुइजन खेत मां हुइहैं एक लै लीन जाई दूसर छोड़ि दीन जाई। [41]दुई मेहरारू चक्की पीसती हुइ हैं। एक लै लीन जाई अउर दूसरि छोड़ि दीन जाई।

[42]यही तई जागत रहेव काहे ते तुम नाहीं जानत हव कि तुमारा परभु कउने दिन आई। [43]मुला ई जान लियव कि घर का मालिक जानत हुवै कि चोर कउने समय आई तौ ऊ जागत रही अउर अपने घर मां सेंध न काटे देई। [44]यही तई तुमहू तैय्यार रहौ, काहे ते जउन घड़ी खातिर तुम सोचत नाहीं हव वही घरी मां मनइ का लरिका आइ जाई।

[45]सो ऊ विसबासु योग अउर ऊद्धिमान दास कउन हवै जउने क मालिक नौकर का मुखिया बनाईस है कि बखत पर उनका खाना दियय। [46]धन्य हवै, ऊ दास, जउने कै ऊका मालिक अइसन करत पावै। [47]हम तुमते सांचु कहित हैं ऊ वहिका अपनी सगरी जायदाद का सरदार बनाई। [48]मुला ऊ दुस्ट दास सोचैं लागे कि हमरे मालिक का आवै मा देर हवै। [49]अउर अपने साथी दासन का पीटै लागै अउर पियक्कड़न के साथे खाय–पीबै। [50]तब उइ दास का मालिक अइसे दिन आई जौनु दिन ऊ मालिक कै रासता न देखत होई। [51]अउर ऐसी बखत मां ऊ न जानत होय अउर वहिका भारी सजा दइकै वहिका हिस्सा कपटीन के साथ ठहराई जाई उहां रोवउ अउर दांत पीसव होई।

दस कुँवारिन केर उदाहरन

25 तब सरग का राज उई दस कुवारिन केर समान हुइ हैं। जउन अपनी मसालें लेइ के आपने दूलहा ते मिलै के तई निकरीं। [2]उनका पांच मूरख रही अउर पांच समझदार रहीं। [3]मूरख अपनी मसालें तौ लै लिहिन, मुला अपने साथे तेल नाहीं लाइन। [4]मुला समझदारन मसालै लिहिन अउर अपने साथिन कुप्पी में तेल लै लिहिन। [5]जब दुलहा के आवे मां देर भये, तब उइ सब ऊँघाय लागीं अउर सोय गइन।

[6]रात मा धूम मची कि देखौं दुलहा आवत हैं। वहिते मिले के तई चलव।

[7]तब उइ सब उठि कै अपनी मसाले ठीक करै लागी। [8]अउर मूरख वाली कहैं लागीं कि अपने तेल मा ते कुछ हमहूं का दै द्यो काहे ते हमरी मासलें बुतान जात हैं।

[9]मुला समझदार वाली कहै लागीं कि इव हमरे तुम्हरे मा पूरा ना होई। अच्छा तो ई है कि तुम बेचइ वालेन के पास तै लै आव।

[10]जब उइ खरीदे हीं रहें तब तक दूलहा आइ गवा। अउर जउन तैयार रहैं वै वियाह करि घरे मा चलि गई। अउर दुवार बन्द होइ गवा।

[11]यहि के बाद उई दूसरी कुंवारी आइ के ई कहै लागि। हे मालिक, हे मालिक हमरे तई दुवार खोलि दियौ।

[12]ऊ उनते कहिसि हम तुमते सांचु कहित हवै कि हम तुमका नाहीं जानित है।

[13]यही की तई जागत रहौ, काहे ते न तुम उइ दिन का जानत हौ न उइ बखत का।

पांच तोड़न केर उदाहरन

14काहे ते ई ऊ मनइ की दसा है जउन परदेस जात
समय अपने दासन का बुलाइकै अपनी दौलत उनका
सौंपि दिहिस। 15ये एक का पांच तोड़ा, दूसरे का
दुई, तीसरे का एक। यानी जौनि जैसे रही वैसे
दिहिस। अउर ऊ परदेस चला गवा। 16तब जउन का
पांच तोड़ा मिले रहे, ऊ जाय के वहिते लेन देन करै
लागि अउर पांच तोड़े कमाई लिहिस। 17यही मेर
जउन ते जउन का दुई तोड़े मिले रहिस, वही दुई
अउर कमाइस। 18मुला जिन्हका एकु मिला रहै, उइ
जायकें माटी खोदिस, अउर अपने मालिक केर
रुपय्या छिपा दिहिस।

19बहुत दिनन बाद उइ दासन का मालिक आअके
लेखा हिसाव लैबे लागि। 20जउने का पांच तोड़ै
मिले रहैं ऊँ पांच तोड़े अउर लायकें कहिस, हे
मालिक, तुम हमका पांच तोड़ा दिहेव रहव, हम
पांच अउर कमायेन।

21वहिके मालिक वहिते कहिस, धन्य हो अच्छे
अउर बिसासु जोग दास, तू थोरेन बिसवासी। हम
तुमका बहुत सामानन का अधिकारी बनाइब, अपने
मालिक के सुख मां सम्भागी रहौ।

22अउर जउने का दुई तोड़ा मिले रहे उइ आइके
कहे लागि हे मालिक तुम हमका दुई तोड़ा दिहेव रहौ
अउर हम दुई तोड़ा अउर कमायेन।

23वहिके मालिक वहिते कहिस धन्य हो अच्छे
अउर बिसवासु जोग दास तू थोड़े मा बिसवासु जोग
रहेव, हम तुमका बहुत सामानन का अधिकारी
बनाइब अउर अपने मालिक के सुख मां हिस्सेदार
होव।

24तब जौन का एक तोड़ा मिला रहै ऊ आयकें
कहे लागि हे मालिक हम तुमका जानित है कि तू
कठोर मनइ है तू जहां नाहीं बोवत हुवां काटत हव,
अउर जहां नाहीं छीटत है ऊहां तुम बटोरत हौ।
25यही तई हम डैराय गयेन अउर तोहार तोड़ा लै
जाय के हम मिट्टी मां छिपाय दीन द्याखव जउन
तुम्हार आयऊ है।

26वहिका मालिक उससे उत्तर दिहिस, हे दुस्ट
अउर आलसी दास; जब तू सब जात रहै कि हम
जहां नाहीं बोइत है हुआं काटित है अउर जहां नाहीं
छींटित हैं हुआं बटोरित हैं। 27तब तुमका चाहत रहा
कि हमार रुपय्या (तोड़ा) सराफन क दै देतिव अउर
हम आयके आपन रुपया बियाज समेत लेई लेत।

28यही की तई ऊ तोड़ा, वहिते लै लियो, अउर
जेहिके पास दस तोड़ा रहैं उहिके दै देव। 29काहे ते
जउने के पास हुवै वहिका अउर दीन जाय। अउर
वहिके पास बहुत होय जाई मुला जेहि के पास नाहीं
है अउर ऊ जउन कछु वहिके पास है लै लीन जाई।

30अउर ई निकम्मे दास क इहां बाहर अंधेरे मां
डारि दियव, उहां ई रोवै अउर दांत पीसै का परी।

नियाउ केर दिन

31जब मनइ का लरिका अपनी महिमा मां आई
अउर सब सरग केर दूत वहिके साथ अइहैं तब ऊ
अपने महिमा के सिहांसन पर विराजी। 32अउर सब
जाति वहिके सामने यकट्ठा कीन जाई। अउर जइसन
चरवाहा भेड़न का बकरिन ते अलग करि देत है, वैसे
ही ऊ उनका एक दूसरे ते अलग करि देई। 33अउर
ऊ भेड़न का अपनी दाहिनी ओर अउर बकरिन का
बायीं ओर खड़ा करी।

34तब राजा अपनी दाहिनी ओर वालेन ते कही हे
हमरे बापू के धन्य लोगउ आऊ अउर उइ राज केर
अधिकारी हुइ जाव जउन जगत के पहिले ते तुम्हरे
खातिर तैय्यार कीन गवा। 35काहे ते हम भूखे रहब
अउर तब तुम हमका खाना दिहेव; हम पियासे रही
अउर तुम हमका पानी पिलाये। हम परदेसी रहब
अउर, तब तुम हमका अपने घर मां राखेव। 36हम
नंगे रही तब तुम हमका कपड़ा पहिरायेव; हम बीमार
रही तब तुम हमरी सेवा किहेव हम जेल मां रही
तब तुम हमका मिलिय आयेव।

37तब धरमी वहिका जवाबु देहै कि हे परभु हम
कब तुमका भूखा देखेन या पियासा देखिन अउर
पिलायन? 38हमने कब तुमका परदेसी देखे अउर
अपने घर मां राखेन। या नंगा देखेन या कपड़ा
पहिरायेन। 39हम कब तुमका जेल मा देखे अउर
तुमते मिले गयेन।

40तब राजा जवाबु देयी कि हम तुमते सांचु कहित
हय कि तुम जउन हमरे छोटे–छोटे भाइन उइ ते
कउनउ एक के साथे किहेव, वहै हमरे साथे किहेव।

41तब ऊ बांई ओर वालेन ते कही, हे सरापित
लोगौं, तुम हमरे सामने ते उइ अनन्त आगि मां चले
जाव जउन सैतान अउर वहिके दूतन खातिर तैय्यार
कीन गवा है। 42काहे ते हम भूखौ रही अउर तुम
हमका खाय का नाहीं दिहेव हम पियासे रही हमका
पानी नही दिहेव। 43हम परदेसी रहेन तुम हमका
अपने घर मां नाहीं राखेव, हम नंगे रही तुम हमका
कपड़ा नाहीं पहिनायेव हम बीमार अउर जेल मां रही
अउर तुम हमसे नाहीं मिलेव।

44तब उइ जवाबु देहय कि हे परभु हम तुमका

कब भूखा, पियासा, अउर परदेसी, नंगा या बीमार या जेल मां देखेन, अउर तुमार सेवा टहल नाहीं कीन।

45तब ऊ उनका जवाबु देई कि हम तुमते सांचु कहित है कि तुमने जउन इन छोटन मइते कउनउ एक के साथे नाहीं किहेव ऊ हमरे साथे नाहीं किहेव।

46अउर ई अनन्त सजा भोगिहैं मुला धरमी जन अनन्त जीवन मां परवेस करिहैं।

यीसु केर खिलाफ सडयन्त्र

26 जब यीसु ई सब बातैं कहि चुकै तब अपने चेलन ते कहै लागे। 2तुम जानत हौ कि दुई दिन बाद फसह केर परब होई अउर मनइ का लरिका सूली पै चढ़ावै के तई पकरुवावा जाई।

3तब महायाजक अउर परजा कै पुरनियां काइफा नाम केर महायाजक के आंगना मां यकट्ठा भये। 4अउर आपस मां विचार करै लागै कि यीसु का धोखे ते पकरि कै मारि डारै। 5मुला उइ कहत रहै कि पर्व के समय नाहीं कहूं अइसन हुइ जाय कि लोगन मां बलवा मच जाय।

बेतनिय्याह मां यीसु केर स्वागतु

6जब यीसु वैतनिय्याह मां सिमौन कोढ़ी के घर मां रहे। 7तब एक अउरत संगमरमर के बरतन मां महंग इतर लइके वहिके पास आई अउर जब ऊ खाना खाय बइठा तब वहिके खोपड़ी पर उड़ेल दिहिस।

8ई देखिकें वहिके चेला गुस्साने अउर कहै लागै ई का काहे नास कर दिहेव। 9ई तउ अच्छे दामन में बेचि कय कंगालन मां बांटा जाय सकत रहै।

10ई जानि कै यीसु उनते कहिन मेहरिया का काहे सतावत हव ई हमरे साथे भलाई किहिस हवै। 11कंगाल तुम्हरे साथे हमेसा राहत हय मुला हम हमेसा तुमरे साथ न रहेव। 12ई हमरी देही पर जउन इतर डारिस है वह हमरे गाड़े जाय तई कीन है। 13हम तुमते सांचु कहित है कि सगरी दुनियां मां जहां कहूं ई सुसमाचार परचारु कीन जाई हुआं वहिके ई काम का बखान भी होई वहिकी याद मा।

यहुदा केर विसवासघातु

14तब यहुदा इस्करियोती नाम केर बारह चेलन मां ते एक महायाजकन के पास जायकें कहिस। 15हम वहिका तोहरे हाथे पकरवाय देई तब हमका का देहव? उइ वहिका तीस चांदी केर सिक्का तौलि कै दे दिहिन। 16अउर ऊ वही समय ते वहिका पकरावै का अवसर ढूंढ़े लागै।

आखिरी भोज

17अखमीरी परब पर पहिले दिन चेला आय कय पूछे लागि तुम कहां चाहत वह कि हम तुम्हरे खातिर फसह खाय केर तैय्यारी करी?

18उइ कहिन नगर मां जाय कय फलाने ते कहब कि गुरु कहत हैं कि हमार समय आय गवा है हम अपने चेलन के साथे तुम्हरे हियां परब मनइबै। 19सो चेला यीसु केर आग्या मानिन अउर फसह तैय्यार किहिन।

20जब संझा भई, तब ऊ बारहो के साथे खाय के तई बइठ। 21जब सब खात रहै तब उइ कहिन कि तुममा ते एकु हमका पकरवाई। बारहों के साथे खाय के तई बइठ।

22यहि पर उइ सब उदास होइगे अउर उनते पूछय लागे कि हे गुरु का ऊ हम आन?

23उइ जवाबु दिहिन कि जउन हमरे साथ थरिया मइहां हाथ डारिस हय वहै हमका पकराई। 24मनइ का लरिका जइसन वहिके बारे मां लिखा जात है मगर उइ मनइ की तई सोक हवै जेकरे द्वारा मनइ का लरिका पकरावावा जाय यदि उइ मनइ का जनम न हुवत तकौ अच्छय हुअत।

25तब वहिका पकराबै वाला यहूदा कहिस, का ऊ हम आन?

26उइ उहिते कहिन, तू कहि चुके हव जब ऊ खाय रहे रहय तव यीसु रोटी लिहिन अउर आसीस मांगि कय तूरिन अउर चेलन का दइकै कहिन, लियव खात ई हमार देह आय है।

27फिर उइ कटोरा लइकें धन्यवादु किहिन अउर उनकउ दइकै कहिन तुम सब ई मा ते पियव। 28काहे ते ई बाचा कय हमार ऊ खून आय जउन बहुतन की तई पापन के माफु की तई बहावा जाई। 29हम तुमते कहित हैं कि दाख का यह रस उइ दिन तक कबहूं न पियव जब तक तुमरे साथे अपने बापू के राज में नवान पी।

30फिर उइ भजन गाय कय जैतून पहाड़ गै।

चेलन केर पतन केर भबिसवानी

31तब यीसु उनते कहिन, तुम सब आजु रात हमरे बारे मा धोखा खइहौ काहे ते लिखा हय कि हम चरवाहे का मरबै; अउर झुंड केर भेड़ें तितर बितर होइ जइहैं।

[32]मुला हम अपने जी उठै के बाद, तुमते पहिले गलील का जइबै।''

[33]पर पतरस उनते कहिन यदि तोहरे बारे मा सब ठोकर खाइहैं त खायं मुला हम कबहूं न ठोकर खइबैं।

[34]यीसु कहिन हम तुमते सांचु कहित हय कि आजु रात मा मूरगा के बांग दैबे ते पहिलें तुम हमते तीन बार मुकरि जइहौ।

[35]पतरस उनते कहिन यदि हमका तोहरे साथे मरहौ का परै तबौ हम न मुकरबय अउर अइसन सब चेला भी कहिन।

गतसमनी बगीचे मां

[36]तब यीसु अपने चेलन के साथे गतसमनी नामक स्थान पर गये अउर चेलन ते कहिन तुम सब हियन बइठे रहेव जब तक कि हम हुआं जाय कय पराथना करी। [37]अउर ऊ पतरस अउर जब्दी के दूनौ बेटवा का साथे लै गवा अउर उदास अउर व्याकुल होय लाग। [38]तब ऊ उनते कहिन, हमार जी बहुत उदास हवै हिया तक कि हमार परान निकरा चाहत हय तुम हियां रुकव अउर हमरे साथे जागत रहेव।

[39]फिर ऊ थौड़ा आगे बढ़िकय मुहि के बल गिरा अउर यह पराथना करय लागि कि हे हमरे बापू यदि होय सकै तौ ई कटोरा हमते टरि जाय, तोही पर जइसन हम चाहित है वइसन नाहीं मुला जइस तुम चाहत हव वइसै हुवय।

[40]फिर चेलन के पास आवा अउर ऊ उनका सोवत पाइस अउर पतरस ते कहिन, का तुम हमरे साथ एकै घड़ी नाहीं जागि सकेव।

[41]जागत रहन अउर पराथना करति रहब कि तुम परिच्छा मां न परौ, आतमा तो तैय्यार है, मुला सरीर कमजोर आय।

[42]फिर उइ दूसरी बेर जायकय ई पराथना किहिन कि हे हमरे बापू यदि ई हमरे पिये बिना नाहीं हटि सकत तब तोहार इच्छा पूरी हुवय।

[43]तब उइ आय कै उनका फिर सोवत पाइस काहे ते उनकी आंखे नींद ते भरी रहैं। [44]अउर उनका छोड़ि कै फिर चला गवा अउर वहय बात कहिकय पराथना किहिस।

[45]तब ऊ चेलन के पास आयकें उनते कहिन, अब सोवत रहव अउर आराम करब देखौ, घड़ी आय पहुंची हय अउर मनइ का बेटवा के पापीन के हाथ पकरावा जात हय। [46]उठव चलव देखौ, हमका पकराबै वाला पास आय गवा है।

यीसु केर बन्दी

[47]ऊ ई कहतै रहै कि देखौ यहूदा जउन बारहौं चेलन मां ते एक रहै आवा अउर वहिके साथे महायाजक अउर लोगन के पुरनियां केर तरह ते बड़ी भीड़ तलवार अउर लाठी लइकै आई। [48]वहिका पकराबै वालो ई पता दिहिस रहै कि जेहिका हम चूमि लेई वहै यीसु है; वहिका पकरि लिहेव। [49]अउर तुरन्त यीसु के पास आय कय कहिस हे रब्बी नमस्कार अउर वहिका बहुत चूमिस।

[50]यीसु वहिते कहिन हे मित्र, जौने काम तई तू आये हव वहिका कर लियव हव ऊ पास आवा अउर यीसु पै हाथ डारिस, अउर उनका पकरि लिहिस। [51]अउर देखव ई यीसु के साथिन में ते एक हाथ बढ़ाय कय अपनी तलवार खींच लिहिस अउर महायाजक केर दास पर चलाय कय उहिका एक कान उड़ाय दिहिस।

[52]तब यीसु वहिते कहिन अपनी तलवारू म्यान मां रख लियव काहे ते जउन तलवारू चलावत हय, हुइं सब तलवारू ते नास किहे जइहैं। [53]का तुम नाई समझत हय कि हम अपने बापू ते बिनती कर सकित, अउर ऊ सरग दूतन केर बारह पलटन तेऊ अधिक हमरे पास अबई हाजिर करि देई। [54]मुला पवित्तर सासतर केर उइ बातें कि अइसन होई अउर कइसे पूरी हुइहैं।

[55]वही बखत यीसु भीड़ ते कहिन, का तुम तलवार अउर लाठी लइकै हमका डाकू के समान पकरै निकरे हव। हम हर रोज मंदिर मां बइठकें उपदेस दिया करत हव, अउर तुम तब मोय नाहीं पकरौ। [56]मुला ई सब यहिकी तई भवा कि भबिसवकतन कै बचन पूरै हुवै। तब वहिके सब चेला वहिका छाड़ि कै भागि गै।

महापुरेहितन केर सामने

[57]अउर यीसु का पकरे वाले उइका काइफा नाम केर महायाजक के पास लै गय। जहां सासतरी अउर पुरनिये यकट्ठे भये रहय। [58]अउर पतरस दूर ते वहिके पाछे–पाछे महायाजक के अंगना तक गवा अउर भीतर जायकै अन्त देखै खातिर चेलन के साथ बइठ गवा।

[59]महायाजक अउर सगरी महासभा यीसु का मारि डारे के ताईं वहिके खिलाफ में झूठी गवाही केर खोज मां रहय। [60]मुला बहुत ते झूठे गवाहौ के आवे पर भी नाई पाइन। [61]अन्त मां दुई जने आयके कहिन कि ई कहिस है कि हम परमेसुर केर मंदिर का गिराय

सकत हैं। अउर वहिका तीन दिन मा बनाय सकित हैं।

62तब महायाजक खड़ा होइकै वहिते कहिन का तुम कउने जवाबु देहौं? ई लोग तुमरे खिलाफ मां का गवाही दियत हैं। मुला यीसु चुप रहा; महायाजक वहिते कहिस। 63हम तुमका जीवित परमेसुर केर कसम देइत है कि यदि तुम परमेसुर के लरिका मसीह हुवै तो बताइ देव।

64यीसु उनते कहिन, तुमतौ कह दिहेव वरना हम तुमते यहौ कहित है कि अब ते तुम मनइ के लरिका का सरबसक्तिमान की दाहिनी ओर बइठे। अउर आकास के बदरन पर आवत देखिहव।

65तब महायाजक अपना कपड़ा फारिकै कहिस कि ई परमेसुर केर निन्दा करत है अब हमका गवाही कै जरुरत नाहीं है। 66देखौ, तुमने अबै ई निन्दा सुनेव है। तुम का समझत हव? उई जवाबु दिहीन उई मारे के काबिल हवै।

67तब उइ वहिके मुंहि पर थूकिस अउर वहिका घूसा मारिन, अउर थप्पर मारि कै कहिन। 68हे मसीह, हमते भबिसयवानी करके कहव कि तुमका कौन मारिस?

पतरस केर इनकार

69अउर पतरस बाहर आंगन में बैठि रहै कि एक लवन्डी आइके कहिसि तुमहूं यीसु गलीली केर साथे रहेव।

70ऊ सबके सामने ई कहिके इनकार किहिस अउर कहिस कि हम नाहीं जानित हइ कि तुम का कहि रही हौ?

71जब ऊ बाहर ड्येवढ़ी मा चला गवा, तब दूसरी मे वहिका देखिकै उनते जउन हुवां रहै कहिस, यहौ तब यीसु नासरी के साथै रहव।

72ऊ कसम खायकें कहिस कि हम उइ मनइ का नाहीं जानत हैं।

73थोरी देर केर बाद जउन हुवां पै ठाड़े रहै उइ पतरस के पास आयके कहिन। सांचैही तुमहूं उनमा ते एक हव, काहे ते तोहार बानी तुम्हार भेद खोलि दिहिस हन।

74तब पतरस ऊ धिक्कारे लागि अउर कसम खाये लाग कि हम उइ मनइ का नाहीं जानित है। अउर तुरंत मुरगा बांग दिहिस। 75तब पतरस का यीसु केर कही बात याद आइ गय कि मुरगा के बांग दैबे ते पहिलें तुम तीन बेर हमार इनकार करिहौ अउर ऊ बाहर जाय कै फूटि–फूटि कय रोवै लाग।

यहूदा इस्करियोति द्वारा आत्महतिया

27 जब भोर भय तब महायाजक अउर लोगन के पुरनिया यीसु का मारि डारै का सलाह किहिन। 2अउर उई वहिका बाँधिन अउर लइ जाय कय पीलातुस हाकिम के हाथ मा सौंपि दिहिन।

3जब वहिका पकरावय वाले यहूदा ई देखिस कि वहिका अपराधी करार दै दिहिन तब ऊ पछतान अउर उइ तीस चांदी केर सिक्का महायाजक अउर पुरनियन के पासे लावा। 4अउर कहिस हमने निरदोस के पकराय कय मारै तई पाप किहे हन। उई कहिन हमका तुम जानव।

5तब ऊ उन सिक्कन का मंदिर मां फेंकि दिहिस अउर जाय कै अपने आपके फांसी लगाय लिहिस।

6महायाजक उई सिक्कन का लइकै कहिन कि इनका भंडार मा रखब ठीक नहीं, हवै काहे ते ई इनका दाम आय। 7सो उइ उन सिक्कन ते परदेसिन का गाड़ै खातिर कुम्हार का खेत मोल लै लिहिन। 8यहि कारन ते ऊ खेत आज तक लोहू केर खेतवा कहिलावत हये। 9तब जउन बचन यरमयाह भबिसवकता कहिस रहै ऊ पूरा भवा कि उन्होंने वै तीस सिक्का लै लिहिन। 10अउर जइसे परभु हमका आग्या दिहिन रहै वइसन ही हम उनका कुम्हार के खेत के मूल्य मा दै दीन।

पिलातुस केर सामने यीसु

11जब यीसु हाकिम के सामने खड़ा रहै तब हाकिम वहिते पूछिस कि का तुम यहूदीन केर राजा हव? यीसु वहिते कहिन कि तू अपने आपै कहत हौ।

12जब महायाजक अउर पुरनियां वहिपै दोसु लगावत रहै तब ऊ कुछ जवाबु नाहीं दिहिस। 13ई पै पीलातुस कहिस का तुम नाहीं सुनत हव कि ई तुम्हरे खिलाफ मां केतनी गवाही दियत है? 14मुला उइ वहिकी एकु बात कउ जवाबु नाहीं दिहिस; हियां तक हाकिम कउ अचरज होइगै।

15अउर हाकिम केर ई रीति रहै, कि उई पर्व या लोगन खातिर एक बंधुआ छाड़ि दीन जात रहै जेहिका उइ चाहत रहै। 16वही बखत मा बरअब्बा नाम का वनहिन मां एक नाम बंधुआ रहै। 17सो जब उई यकट्ठा भये तब पीलातुस कहिस तुम केहिका चाहत हव वहिका हम छाड़ि देई? बरअब्बा का या यीसु का जउन मसीह कहावत है? 18काहे ते ऊ जानत रहै कि वहिका जलन के मारे पकरावा गवा है।

19जब ऊ नियाउ केर गद्दी पै बैठा रहै तब वहिकी मेहरिया कहवाय पठाइस कि तुम उई धरमी के बारे

मा हाथ न डारेउ; काहे ते हम आजु सपना मां वहिके बारे मा बहुत दुख उठायन हैं।

[20]महायाजक अउर पुरनिया ने लोगन का उकसाइन कि बरअब्बा का भागेउ अउर यीसु के नासु कराय दियव।

[21]हाकिम पूछिस केहिका तोहरे खातिर छाड़ी, तब उइ सब कहिन बरअब्बा का।

[22]पीलातुस उनते पूछेसि फिर यीसु का करी जउन मसीह कहावत है। सब उहिते ऊ कहिन सूली पर चढ़ावा जाय।

[23]हाकिम कहिस काहे ऊ कवन बुराई किहिस हय? मुला ऊ चिल्लाय चिल्लाय कै कहै लाग कि सूली पै चढ़ावा जाय।

[24]जब पीलातुस देखिस कि कछु नांय बन परै मुला जाके विपरीत हुल्लड़ मचत जात हैं, तौ उइ पानी लैकें भीड़ के सामने आपन हाथ धोइस अउर कहिस हम ई धरमी के लोहू ते निरदोस हन तुम ही जानेउ।

[25]सब लोग कहिन ईका लोहू हम पर अउर हमरी सन्तान पर हुवय।

[26]ई पै उइ बरअब्बा का उनके खातिर छाड़ि दिहिस अउर यीसु का कोड़े लगवाय कै सौपि दिहिस कि सूली पर चढ़ावा जाई।

सिपाहिन क यीसु केर ठट्ठा मां उड़ाव

[27]तब हाकिम केर सिपाही यीसु का किले मां लइ जायकै सगरी पलटन वहिके चारिउ ओर यकट्ठी होई गये। [28]अउर वहिके कपड़ा उतारि कै वहिका किरमिजी बाग पहिराइन। [29]अउर कांटन का मुकुट बनाय कय वहिके सिर पई रखिन; अउर वहिके दहिने हाथ मा सरकंडा दिहिन अउर वहिके सामने घुटने टेकि कै उइका ठट्ठा मां उड़ाबै लागे कि हे यहूदियन के राजा नमस्कार। [30]अउर वहि पै थूकिन अउर उई सरकंडा लै कय वहिके खोपड़ी पर मारै लाग। [31]जब उई वहिका ठट्ठा करि चुके तब ऊ बागौ वहि पै ते उतारि कै फिर वही केर कपड़ा पहिराइन अउर सूली पै चढ़ावै तई लै गै।

यीसु क सूली पै चढ़ावा जउव

[32]बाहेर जात समय उनका समौन नाम एकु कुरैनी मनइ मिला अउर उइ वहिका बेगार मां पकरिन कि वहिका सूली उठायकें लै चलव। [33]अउर उई जगह पै जउन गुलगुता नाम केर जगह कहावत रहै हुआं पहुंचिकै। [34]उई पित्त मिलावा दाख रस पियय का दिहिन मुला ऊ चख कय पियय का नाहीं चाहिस। [35]तब उई वहिका सूली पै चढ़ाइन अउर चिट्ठियां डारिकै वहिके कपड़ा बांट लिहिन। [36]अउर हुआं बइठ कय वहिका पहरा देय लागे। [37]अउर वहिका दोसपत्र, वहिके सिर पर लगाइन कि यह यहूदियन केर राजा यीसु हवै''। [38]तब वहिके साथ दुई डकुअन का एक दहिने एक बाएं सूली पै चढ़ाय दिहिन। [39]अउर आवय जाय वाले लोग खोपड़ी हलाय–हलाय कय ऊकी निन्दा करत रहै। [40]अउर ई कहि रहै, कि हे मंदिर का गिरावे वाले अउर तीन दिन मां बनावय वाले अपने कइहां बचाऊ। यदि तुम परमेसुर केर लरिका आव तौ सूली पै ते उतरि आव।

[41]यही मेर महायाजक अउर सास्त्री अउर पुरनिया समेत ठट्ठा करिकय कहत रहय ई अउरे का बचाइन अउर अपने का नाहीं बचाय सकत। [42]ई तौ इसराएल केर राजा आय अब सूली पै ते उतरि आउ तब हम तौ पै बिसवासु करि लेवै। [43]ऊ परमेसुर पै भरोसा करत है यदि ऊ यहिका चाहत है, तौ अब जाय छुड़ाय लियय काहे ते ई कहिस रहै कि हम परमेसुर केर लरिका आन। [44]यही मेर डाकू भी वहिके साथे सूली पै चढ़ाये गये रहय वहिकी निन्दा करत रहय।

यीसु केर मिरतू

[45]दुपहर ते लइकय तीसरे पहर तक उई सगरे देस मां अंधेरा छावा रहै। [46]तीसरे पहर यीसु ने बड़े सब्दन ते पुकारिकें कहिन, एली, एली, लमा सबक्तनी? अरथात् हे हमरे परमेसुर, हे हमरे परमेसुर, तुम हमका काहे छाड़ि दिहेव?

[47]जउन उहां खड़े रहय उनमा ते केतनौ ई सुनिकें कहिन, ई तौ एलिय्याह केर पुकार हयो।

[48]वहिमा ते एक तुरंतय दौरा अउर स्पंज लइकय सिरके में बोरिस अउर सरकंडा पर रखिकय चुसाइस। [49]अउरों ने कहा रुकौ देखौ एलिय्याह ऐके बचावये आवत हयं कि नाई।

[50]तब यीसु ने फिरु बड़े सब्द ते चिल्ला के अपने परान तियाग दिहिन।

[51]अउर देखौ, मंदिर केर परदा ऊपर ते नीचे तक फटिकै दुई टूकरा हुइगे अउर धरती डोलि गई अउर चट्टानें फट गईं; [52]अउर कवरैं खुलि गईं। अउर सोये हुए पवित्तर लोगन केर बहुते लासन जी उठीं। [53]अउर वहिके जी उठय के बाद उई कबरन मा ते बहिरे निकरि कय पवित्तर नगर मा गये अउर बहुतन कइहन दिखाई परे।

[54]तब सूबेदार अउर जउन वहिके साथे यीसु केर

पहरेदारी कर रहै भुईडोल अउर जउन कछु भवा देखि कय बहुते डेराय गये, अउर कहिन सांचि ई परमेसुर का जउन लरिका रहय''।

55हुवां बहुत सारी मेहरिया जउन गलील ते यीसु केर सेवा करती भई वहिके साथ आंई रहैं, दूर ते देखत रहैं। 56उनमें ते मरियम मगदलीनी अउर याकूब अउर योसेस केर महतारी मरियम अउर जब्दी के लरिकन केर महतारी रहै।

यीसु केर आखिरी संस्कार

57जब संझा भय तब युसुफ नाम अरिमतियाह केर एक धनी मनइ जउन अपने आपय यीसु केर चेला रहय आवा; उइ पीलातुस ते यीसु केर लास मांगिस। 58ई पै पीलातुस ओके दिवय केर आग्या दिहिन। 59युसुफ ने लोथ का एक उज्जर चादर मा रखिस अउर लपेट लिहिस। 60अउर वहिका अपनी नवा कबर मां रक्खेस जउन ऊ चट्टान मां खुदवाइस रहै, अउर कबर केर दवार पै एक बड़के पथर लुढ़काय कय चला गवा। 61अउर मरियम मगदलीनी अउर दूसरी मरियम हुवां कबर के समनवै बैठि रहैं।

यीसु केर कबर पै पहरा

62दूसरे दिन जउन तैय्यारी दिनवा केर बादे दिन रहय, महायाजकों अउर फरीसीन ने पिलातुस के पास यकट्ठा होइके कहिन। 63हे महाराज, हमका याद हय कि ऊ भरमावे वाले ने अपन जीते जी कहत रहै कि हम तीसरे दिन मा जी उठबे। 64सो आग्या देव कि तीसरे दिन तक कबर केर रखवाली कीन जाय अइसा न होय कि वहिके चेला आय कै चुराय लै जाय अउर लोगन ते कहय कि ऊ मरे हुवन में ते जी उठत। तब पाछे धोखा पहिले ते खराब होई।

65पीलातुस उनते कहिस तुमरे पास पहरूवा तो हय। जात अपन समझ केर मुताबिक ओके रखवाली करेव। 66सो ई पहरुवा क उहां साथ लैकैं गये, अउर पथर पै मुहर लगाय केर कबर केर रखवारी करय लागि।

यीसु केर जी उठब

28 सबत दिन के बाद सप्ताह के पहिले दिन पौ फाटत ही मरियम मगद्लीनी अउर दूसरी मरियम कबर का देखै आईं।

2अउर देखव एक बड़ा भूइडोल भवा काहे ते परभु केर एक दूत सरग ते उतरा अउर पास आय कै ऊ पथरन का ढुलकाय दिहिस अउर वहि पै बइठ गवा। 3वहिका रूप बिजुरी अइसन रहय अउर वहिका कपड़ा पाले केर नाई उज्जर रहय। 4वहिके डरते पहरुवे कांपे लागे अउर मरे हुअन के समान हुइगे।

5सरगदूत ने मेहरियन ते कहिस कि तुम ना डेराव हम जानित है कि तुम यीसु का जउन सूली पै चढ़ाय दीन गवा रहै। वहिका ढूढ़ति हव। 6ऊ हियां नाहीं है मुला अपने कहे केर मुताबिक जी उठा है अउर ई स्थान देखव जेहर परभु परा रहय। 7अउर जल्दी ही जाय कय वहिके चेलन ते कहव कि ऊ मरे हुवन मां ते जी उठा हय, अउर देखौ ऊ तुमते पहिले गलील का जात हय हुआं तुम वहिका दरसन पइहव देखौ हम तुमते कहि दीन है।

8अउर उई भय अउर खुसी के साथ कबर ते जल्दी लौटि कय वहिके चेलन का ई समाचार देय कि ताई दौरि परी। 9अउर देखौ, यीसु उइका मिला अउर कहिन सलाम। अउर उई पास आइके अउर वहिके पांव पकरि कय वहिका दंडवत किहिन। 10तब यीसु उनते कहिन, डेराव मत हमरे भाइयन ते जायकें कहौ कि वे गलील का चले जांय उहां हमका देखिहव।

पहरेदारन केर कथन

11उइ जाति रहय कि देखौ, पहरूवन मा ते केतनै नगर मां जाय कै पूरा हाल महायाजकन ते कहिन। 12तब उई पुरनियन के साथ यकट्ठे हुइकै विचार किहिन अउर सिपाहिन का बहुत चांदी दै कै कहिन। 13कि ई कहेन कि रात मा जब हम सोये रहेन तब वहिके चेला आयकै चुराय लइगै। 14अउर जदि ई बात हाकिम के कान तक पहुंची तब हम वहिका समझाय लेव अउर तोहकी खतरा ते बचाय लेव। 15सो उई रुपया लै कै जइसन कहा गय रहे किहिन अउर ई बात आज तक यह यहूदियन में परचलित है।

महान आदेस

16अउर ग्यारह चेले गलील मां उई पहाड़ पै गये जिसे यीसु ने उनका बतावा रहा। 17अउर उई वहिके दर्सन पाय कै परनाम किहिन पर कोई–कोई का संदेह भवा। 18यीसु उइके पास आयकें कहिन, कि सरग अउर धरती का सगरो अधिकार हमका दिया गवा है। 19यहिकी ताई तुम जायकै सगरे जातिन के लोगन का चेला बनावौ अउर उनकौ बापू अउर पुतर अउर पवित्तर आतमा के नाम ते बपतिसमा देव 20अउर उनका सारी बातन जउन हम आग्या दीन हय मनइन का सिखाउ अउर देखौ हम संसार केर आखिर तक हम हमेसा तुमरे साथे रहन।